सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 328 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 10 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या दोगुनी, तीन वर्षों में 17 से बढ़कर 35 तक पहुंचा आंकड़ा

छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव कल्याण बोर्ड की 15वीं बैठक में दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या पिछले तीन वर्षों में दोगुनी हो गई है। वर्ष 2022 में जहां बाघों की संख्या 17 थी, वहीं अप्रैल 2025 के सर्वेक्षण में यह बढ़कर 35 हो गई। यह जानकारी आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में सम्पन्न छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव कल्याण बोर्ड की 15वीं बैठक में दी गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ में वन्य प्राणियों का संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राथमिकता है। हमारा राज्य वन संपदा और वन्य प्राणियों के मामले में अत्यंत समृद्ध है। इन्हें सुरक्षित और विकसित करने के लिए सरकार पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में बाघों की संख्या में तीन वर्षों के भीतर हुई दोगुनी वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बाघों की संख्या 17 से बढ़कर 35 होना इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में संतोषजनक कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि अब हमें अन्य वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी ठोस प्रयास करने होंगे। छत्तीसगढ़ के कई इलाके ऐसे हैं जिन्हें वन्यजीव संरक्षण के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। जशपुर जिले के नीमगांव में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं। यहां प्रवासी पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन हेतु आवश्यक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। इसी तरह अन्य क्षेत्रों की पहचान कर उनका भी विकास किया जाना चाहिए। इससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

बाघों के साथ अन्य वन्यप्राणियों की संख्या भी बढ़ी : मंत्री कश्यप

बोर्ड के उपाध्यक्ष व वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य में बाघों की संख्या के साथ-साथ अन्य वन्य प्राणियों के संरक्षण और संवर्धन में भी वृद्धि हुई है। उनके रहवासों में सुधार के प्रयास जारी हैं, आगे इसके और बेहतर परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि आज पारित प्रस्ताव जनहित के महत्वपूर्ण कार्य हैं, जो शांति का वातावरण स्थापित करने में सहायक होंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि वन्यजीवों एवं जैव विविधता को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे।

विभागीय उपलब्धियों और एजेण्डा पर दिया गया प्रेजेंटेशन

बोर्ड के सदस्य सचिव अरुण कुमार पांडेय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) द्वारा विभागीय उपलब्धियों और एजेण्डा पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। सदस्य सचिव ने बताया कि राज्य में सर्वाधिक बाघ अचानकमार टाइगर रिज़र्व में हैं। राज्य वन्यजीव बोर्ड की 14वीं बैठक में पारित निर्णय के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व और गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व में मध्यप्रदेश से बाघ एवं बाघिन के ट्रांसलोकेशन की अनुमति मिल चुकी है। शीघ्र ही ट्रांसलोकेशन की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी।

राजकीय पशु वनभैंसा की संख्या बढ़ाने विभाग प्रयासरत

अरुण कुमार पांडेय बताया कि राजकीय पशु वनभैंसा की संख्या बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। असम से लाए गए वनभैंसों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इसी प्रकार राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना के संरक्षण हेतु भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। मैना मित्र नामक समूह का गठन किया गया है, जो मैना के संरक्षण और उनके रहवास की निगरानी करता है। टाइगर रिज़र्व और कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अन्य सुविधाएं विस्तारित की जा रही हैं, जिससे समीपवर्ती ग्रामवासियों को रोजगार मिलेगा और वन्यजीव संरक्षण में भी सहयोग प्राप्त होगा।

संरक्षित क्षेत्र के युक्तियुक्तकरण के प्रस्तावों को स्वीकृति

बैठक में वन्यजीव संरक्षण और संवर्धन हेतु गश्ती मार्ग निर्माण तथा संरक्षित क्षेत्र के युक्तियुक्तकरण के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व, गरियाबंद अंतर्गत धवलपुर से कुकरार तक सड़क निर्माण कार्य; मिशन अमृत योजना के तहत पाइपलाइन विस्तार कार्य; तथा कवर्धा वनमंडल में इंटरनेट सुविधा के लिए ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने की अनुमति प्रदान की गई। इससे वन क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी, शासकीय योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को डिजिटल भुगतान की सुविधा मिलेगी, ग्रामीणों के सामाजिक-आर्थिक विकास में सुधार होगा और क्षेत्रीय अमलों के लिए सूचना संप्रेषण मजबूत होगा। बैठक में राज्य वन्यजीव कल्याण बोर्ड के सदस्यों ने वन्यजीव संरक्षण के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में विधायक धर्मजीत सिंह, विधायक चैतराम अटामी, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्रीमती ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी श्रीनिवास राव, सचिव वन अमरनाथ प्रसाद तथा अन्य माननीय सदस्य और गैर-शासकीय संस्थाओं के प्रख्यात वन्यजीव विशेषज्ञ उपस्थित थे।

खास-खबर

कोरबा में सीएएफ जवान ने बाजार में दो लोगों पर बरसाई गोली, दोनों की मौके पर मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सनसनीखेज वारदात हुई है। यहां के हरदीबाजार थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात को छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स के जवान बीच बाजार दो लोगों को गोली मार दी। बाजार में मंगलवार देर रात हुई इस घटना से पूरा इलाका दहशत में आ गया।

मिली जानकारी के अनुसार, बाजार के बीचोंबीच अचानक सीएफ(छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स) का जवान गुस्से में बंदूक लेकर आया और देखते ही देखते दो लोगों पर गोलियां दाग दीं। गोलियों की आवाज़ सुनते ही आसपास अफ़रा-तफ़री मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। खून से लथपथ दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही हरदीबाजार थाना पुलिस और कोरबा पुलिस का अमला घटनास्थल पर पहुंचा।

घटनास्थल को चारों तरफ से घेरकर शवों को कब्जे में लिया गया। मौके पर पुलिस ने आरोपी जवान को वहीं से गिरफ्तार कर लिया। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने पुष्टि करते हुए बताया कि एक सीएफजवान ने पारिवारिक विवाद के चलते दो लोगों को गोली मार दी है। दोनों की मौत हो चुकी है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। इस गोलीकांड से पूरे जिले में सनसनी फैल गई है।

घर पर फंदे से लटकी मिली पति-पत्नी की लाश,फांसी और दुपट्टा कसे मिले शव

बलौदाबाजार। जिले के पलारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जारा में आज सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। यहां पति-पत्नी की लाश घर के भीतर संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से पूरे गांव में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार, मृतक पति जगमोहन देवांगन (उम्र लगभग 40 वर्ष) घर के पंखे से फांसी पर लटका मिला, जबकि पत्नी जमुना बाई (उम्र लगभग 40 वर्ष) पलंग पर मृत अवस्था में पाई गई। पत्नी के गले में दुपट्टा कसा हुआ था। सुबह करीब 7 बजे पड़ोसियों ने घर का दरवाजा खोला तो यह दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया। तत्काल इसकी सूचना गांव वालों को दी गई और फिर पुलिस को खबर की गई। बताया जा रहा है कि मृतक दंपत्ति गांव में ही छोटा सा होटल चलाते थे। घटना के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। सूचना मिलते ही पलारी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भिलाई में चाकूबाजी, मॉर्निंग वॉक पर निकले शख्स को चाकू मारकर मोबाइल लूटकर भागे बदमाश

भिलाई। सेक्टर 06 में सेंट्रल एवेन्यू पर बुधवार की सुबह 5:00 बजे के करीब मॉर्निंग वॉक पर निकले सेक्टर 5 सड़क 2 के व्यक्ति को मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों ने चाकू मार दिया। इसके बाद उनका मोबाइल छीनकर भाग खड़े हुए। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का अस्पताल में इलाज जारी है। घटना की सूचना के बाद भिलाई नगर पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है आरोपियों का अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार चाकू बाजी की वारदात मोबाइल लूटने की वजह से होना पाया जा रहा है। भिलाई नगर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत मिश्रा ने बताया कि पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

सीपी राधाकृष्णन बने देश के 15वें उपराष्ट्रपति विपक्ष के कैंडिडेट को 152 मतों से हराया

नईदिल्ली। सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन ने आईएनडीएआई कैंडिडेट सुदर्शन रेड्डी को 152 वोटों के अंतर से हराया। मंगलवार को हुए मतदान में 788 में से 767 (98.2 फीसदी) सांसदों ने वोट डाला। राधाकृष्णन को 452 वोट और सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। 15 वोट अमान्य करार दिए गए।

चुनाव में 14 विपक्षी सांसदों के एनडीए के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की अटकलें हैं। दरअसल, एनडीए के पास 427 सांसद थे। वाईएसआर कांग्रेस के 11 सांसदों ने राधाकृष्णन को समर्थन दिया था। इन्हें जोड़कर 438 वोट ही बनते हैं। लेकिन राधाकृष्णन को 14 ज्यादा यानी 452 वोट मिले हैं। भाजपा का दावा है कि विपक्षी दलों की तरफ से 14 क्रॉस वोटिंग भी हुई है और कुछ विपक्षी सांसदों ने जानबूझकर अमान्य वोट डाले। वोटिंग के बाद विपक्ष ने अपने सभी 315 सांसद एकजुट होने का दावा किया। हालांकि, नतीजों में ऐसा नहीं दिखा।

बता दें राधाकृष्णन अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में दो बार कोयंबटूर से सांसद बने। वे एक बार केंद्रीय मंत्री बनने के बेहद करीब थे, लेकिन एक जैसे नाम के कारण पार्टी प्रबंधकों से चूक हुई और एक अन्य नेता पोन राधाकृष्णन को पद सौंप दिया गया था। भाजपा का दक्षिण की राजनीति पर फोकस है, क्योंकि पार्टी वहां पर कमजोर है। एक मात्र राज्य आंध्र प्रदेश है, यहां टीडीपी व जनसेना के साथ मिलकर भाजपा ने एनडीए की सरकार बनाई है। कर्नाटक, तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। तमिलनाडु में डीएमके और केरल में लेफ्ट की सरकार है। ऐसे में भाजपा की नजर राधाकृष्णन के जरिए अपने आप को मजबूत करने की है।

जुनवानी रोड पर नाले में बह गए दो शख्स रेस्क्यू में जुटी एसडीआरएफ की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जुनवानी स्थित नाले में बीती रात दो लोग बह गए। दोनों यहां मछली पकड़ने पहुंचे थे और एक का पैर फिसला और तेज बहाव में बहता चला गया। वहीं दूसरा युवक उसे बचाने के लिए कूदा लेकिन वह भी बह गया। हादसे की सूचना के बाद एसडीआरएफ की टीम रात से ही रेस्क्यू में जुटी हुई है। खबर लिखे जाने तक दोनों का कुछ पता नहीं चल पाया है, वहीं एसडीआर

मिली जानकारी क अनुसार हादसा जुनवानी रोड पर एमजे कॉलेज के पास नाले की है। भिलाई स्टील प्लांट से निकले इस नाले से प्लांट का गंदा पानी कुठेला भाटा के ट्रीटमेंट प्लांट में साफहोता है। इन दिनों बारिश के कारण नाला उफान पर है। एमजे कॉलेज के पास नाले में एनिकट जैसा बना है। बारिश के कारण यहां बहाव भी काफी तेज है। बताया जा रहा है कि सी एनिकट पर पवन खुटेल व पिल्लू नाम के शख्स मछली पकड़ने पहुंचे।

इन्होंने नाने में जाल बिछा रखा था। इस दौरान एक का पैर फिसला और वह बहने लगा। इसके बाद उसे बचाने दूसरा भी कूदा लेकिन बचा नहीं पाया और वह भी बह गया। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और इसके बाद एसडीआरएफ को भी दी गई। रात में अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू नहीं हो पाया। बुधवार की सुबह फिर से एसडीआरएफकी टीम द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। खबर लिखे जाने तक दोनों का कुछ पता नहीं चल पाया है। एसडीआरएफ की टीम दोनों की तलाश में जुटी हुई है।

13 से 16 सितंबर तक होगा देखो दंतेवाड़ा बाइक ट्रायल, 120 बाइकर्स का होगा जमावड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने और इसकी खूबसूरती को देश-प्रदेश में पहचान दिलाने के उद्देश्य से देखो दंतेवाड़ा बाइक ट्रायल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 13 से 16 सितंबर तक दंतेवाड़ा में किया जाएगा। यह आयोजन कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन और जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा के नेतृत्व में संपन्न होगा।

इस विशेष आयोजन में प्रदेशभर से आए 120 बाइकर्स दंतेवाड़ा के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगे और अपने अनुभवों को वीडियो, फोटो तथा रील्स के जरिए सोशल मीडिया पर साझा करेंगे, जिससे जिले की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा। 13 सितंबर को सातधार, इंद्रावती पुल बारसूर, बारसूर तालाब की जिपलाइन और मुचनार रिवर साइट। इस दिन माड़िया नृत्य का आयोजन भी होगा।

पर्यटन स्थलों को देशभर में मिलेगी पहचान

14 सितंबर को बारसूर मंदिर, दंतेश्वरी माई मंदिर, माटी कला केंद्र कुम्हाररास, कुम्हाररास डैम, गामावड़ा महापाषाण स्थल और आकाश नगर की सैर होगी। 15 सितंबर को मलांगीर और पुलपाड़ जलप्रपात का दौरा होगा। 16 सितंबर को विश्वप्रसिद्ध चित्रकूट जलप्रपात का विशेष भ्रमण होगा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि दंतेवाड़ा अपनी अनूठी संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। देखो दंतेवाड़ा कार्यक्रम का लक्ष्य इन विशेषताओं को पूरे देश में नई पहचान दिलाना है। जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा ने विश्वास जताया कि यह आयोजन दंतेवाड़ा की सकारात्मक छवि को और मजबूत बनाएगा तथा जिले को पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाएगा।

क्या होता है शादी का झांसा?

श्रीकंचनपथ

शादी का कोई झांसा नहीं होता। शादी या तो होती है या फिर नहीं होती है। शादी होने से पहले आप आपस में क्या-क्या करते हैं यह आपके विवेक पर निर्भर करता है। वैसे भी अब वो सकुचाने-शर्माने का जमाना तो रहा नहीं। लोग मजे से प्री-वेडिंग फोटो शूट करवा रहे हैं। यह एक छोटा-मोटा हनीमून ही तो होता है जिसमें आउटडोर लोकेशन पर कई-कई दिनों की शूटिंग होती है। शादी टूट जाने पर इसकी जिम्मेदारी किसी एक पर नहीं डाली जा सकती। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने मंगलवार को रेप का मामला खारिज करते हुए कहा- शिकायतकर्ता को पता था कि आरोपी ने किसी और से शादी कर ली है, फिर भी वह उसके साथ स्वेच्छा से रही और यौन संबंध बनाए रखे। ये परिस्थितियां पुष्ट करती हैं कि दोनों पक्षों के बीच संबंध सहमति से थे और शादी के झूठे वादे से प्रेरित नहीं थे। ऐसे मामलों में वयस्कों को अपनी मर्जी से लिए गए फैसलों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हालांकि दोनों परिवारों के बीच शादी को लेकर बातचीत हुई थी पर यह विफल रही थी। इसके बावजूद शिकायतकर्ता और आरोपी मिलते रहे, साथ घूमते-फिरते रहे और सहमति से शारीरिक संबंध भी बनाए। जस्टिस स्वर्णकांता ने यह भी कहा कि न्याय प्रणाली रेप के मामलों से जुड़े केस के बोझ तले दबी जा रही है। अधिकांश मामले शादी का झांसा देकर संबंध बनाने से जुड़े होते हैं। दरअसल, इस तरह के मामलों की जड़ में है सहमति को लेकर बना कानून। यह कानून कहता है कि नाबालिग सहमति नहीं दे सकता। मानसिक रूप से अशक्त लोगों की सहमति को सहमति नहीं माना जाएगा। नशे में, दबाव में या किसी प्रलोभन के तहत हासिल सहमति भी अमान्य होगी। शादी को भी अब प्रलोभन की इसी सूची में शामिल कर लिया गया है। इसी को आधार बनाकर इन दिनों पुरुषों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। हालांकि, इससे इंकार नहीं है कि कुछ मामलों में सच्चाई होती होगी पर ऐसा तो पुरुषों के साथ भी होता है। लड़कियां खा-पीकर, गिफ्ट बटोर कर, पैसे लेकर चंपत हो जाती हैं। पर पुरुष इसे अपनी बेवकूफी मान कर चुप रह जाते हैं। कुछ तो शादी करके भी ठगे रह जाते हैं। इतना ही नहीं वे अपनी अलग रह रही पत्नी का खर्चा भी उठाते हैं। एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि पति या पत्नी का अलग रहना नामुमकिन है। दोनों में से कोई भी यह नहीं कह सकता कि वे अपने पार्टनर से अलग रहना चाहते हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा था कि अगर कोई अलग रहना चाहता है तो उसे शादी नहीं करनी चाहिए। हिंदू विवाह के मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले भी तल्ख टिप्पणी कर चुका है। कोर्ट ने कहा था कि हिंदू विवाह कोई नाचने-गाने या खाने-पीने का ईवेन्ट मात्र नहीं है।

संपादकीय

मानवीय लापरवाही और भ्रष्टाचार का परिणाम त्रासदियां

भारत, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविध भौगोलिक संरचना के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। लेकिन हर साल मानसून के आगमन के साथ यह देश प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आ जाता है। भारत में मानसून का मौसम जून से सितम्बर तक रहता है। इस दौरान देश के कई हिस्सों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं अब आम हैं। हाल के महीनों में उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही मची जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और 50 से अधिक लोग लापता हो गए। हिमाचल प्रदेश में भी अगस्त, 2025 में भारी बारिश के कारण दर्जनों सड़कें बंद हो गई और कई लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि सरकारी तंत्र इन आपदाओं के प्रभाव को कम करने में क्यों विफल है?

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में अपने बयान में कहा कि पहाड़ी राज्यों में होने वाले निर्माण और नुकसान के लिए 'घर में बैठकर तैयार की गई फर्जी डीपीआर बनाने वाले दोषी हैं। ये लोग बिना जमीनी हकीकत जाने डीपीआर बना देते हैं, जिससे ऐसे हादसे होते हैं।' यह बयान न केवल सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि विकास परियोजनाओं में पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी कितनी घातक हो सकती है। डीपीआर, जो किसी भी योजना का आधार होती है, में भ्रष्टाचार और लापरवाही बरती जाती है, तो इसका परिणाम ऐसे हादसों और त्रासदियों के रूप में सामने आता है। इसे 'करप्शन ऑफ डिजाइन' कहा जाता है। बादल फटने की घटनाएं, जिन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग 100 मिमी. प्रति घंटे से अधिक बारिश के रूप में परिभाषित करता है, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों में आम हैं। ये घटनाएं न केवल प्राकृतिक हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों जैसे अनियोजित निर्माण, जंगलों की कटाई और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप के कारण और भी घातक हो गई हैं।

हादसों ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार को पहले से तैयारी की जरूरत है। फिर भी, हर साल न सिर्फ एक जैसी आपदाएं दोहराई जाती हैं, बल्कि राहत और बचाव कार्य में अव्यवस्था भी दिखाई देती है। दूसरा, जल निकासी प्रणालियों की कमी और रखरखाव की अनदेखी भी बड़ा मुद्दा है। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरी क्षेत्रों, जहां 2024 में 108 मिमी बारिश ने भारी जलभराव पैदा किया, में नालों की सफाई और उचित जल निकासी की कमी साफ दिखाई दी। पहाड़ी क्षेत्रों में नदियों के किनारे अनियोजित निर्माण और अतिक्रमण ने प्राकृतिक जल प्रवाह को बाधित किया है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। तीसरा, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और जागरूकता की कमी भी बड़ी समस्या है। ऐसे में स्थानीय ज्ञान का उपयोग करके सड़क निर्माण हो तो शायद भूस्खलन में रोकथाम हो सके। लेकिन स्थानीय लोगों की सलाह को नजरअंदाज किया जाता है और परियोजनाएं केवल ठेकेदारों और अधिकारियों के हितों को ध्यान में रख कर बनाई जाती हैं। इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब सरकार और समाज मिल कर एक समग्र और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएं। सबसे पहले, डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया को पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना होगा।

भूगर्भीय सर्वेक्षण, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन और स्थानीय विशेषज्ञों की राय को शामिल करना अनिवार्य होना चाहिए। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए स्वतंत्र ऑडिट और निगरानी तंत्र स्थापित किए जाने चाहिए। दूसरा, आपदा प्रबंधन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना होगा। इसमें न केवल राहत और बचाव की तैयारी शामिल होनी चाहिए, बल्कि प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, जैसे बादल फटने की निगरानी, को भी मजबूत करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भूस्खलन और जलभराव की संभावना वाले स्थानों की पहचान के लिए किया जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास को भी प्राथमिकता देनी होगी। जंगलों की कटाई को रोकना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना और अंधाधुंध निर्माण पर रोक लगाना जरूरी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में इको-सेंसिटिव जोन में निर्माण को सख्ती से विनियमित करना होगा। बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ की त्रासदियां केवल प्राकृतिक नहीं हैं, बल्कि मानवीय लापरवाही और भ्रष्टाचार का भी परिणाम हैं।

'सुषमा के स्नेहिल सृजन' छंद-मनहरण घनाक्षरी

रंग रसिया

ए री सखी! मैं तो चली, कालिन्दी की कुंज गली,
लगती है बड़ी भली,
रोको न डगरिया।
मोहिनी मूरत प्यारी, मुरली की धुन न्यारी,
खिली चितवन क्यारी,
हुई मैं बावरिया।
चंचल कन्हैया नैन, छेड़ जाते मीठे बैन,
दरस से मिले चैन,
आओ जी साँवरिया।
ग्वाल-बाल मधुवन, चुरा लेते चितवन,
देखो मोर नाचे वन,
राधा मनबसिया।
अधर में वंशी मोहे, चाहती हैं सब तोहे,
मोर पंख शीश सोहे,
कान्हा रंग रसिया।
मलय समीर बहे, वल्लरी से यही कहे,
विरह क्यों? कोई सहे,
नट है नागरिया।
गोपियाँ कान्हा को घेरे, लगा रहीं नृत्य फेरे,
सुन-सुन ताने तेरे,
बजातीं पायलिया।
'सुषमा' सुंदर छवि, मुख तेज जैसे रवि,
दृश्य देख लिखे कवि,
घुमाता नजरिया।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल, रायपुर छग

पंचग्रास में समाहित है संपूर्ण चराचर जगत का कल्याण

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता-पिता है। यह साफहो जाना चाहिए कि माता-पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता।

माता-पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है। पितृपक्ष और मातृपक्ष दोनों ही पीढ़ियों के स्मरण और श्रद्धा या यों कहे कि श्राद्ध स्वरुप भोजन, वस्त्र, जल आदि आदि पत्र पुष्प के माध्यम से सम्मान स्वरुप स्मरण किया जाता है। श्राद्ध स्वरुप ब्राम्हणों को भोजन कराने और इसी तरह की अन्य व्यवस्थाओं के साथ जुड़ी पंच ग्रास की परंपरा को आलोचकों को ज्ञान ही नहीं होता। श्राद्ध निमित्त ब्राह्मण भोजन से पहले पंच ग्रास का विधान है। पंचग्रास के पीछे के रहस्य को समझना भी आवश्यक हो जाता है। पंचग्रास में गोग्रास, श्वान ग्रास, कोएं को ग्रास, चिंटी आदि को ग्रास और अभ्यागत ग्रास इस तरह से पंच ग्रास का विधान है। अब इसी से समझ सकते हैं कि इस पंच ग्रास में प्रकृति का कोई पक्ष शेष नहीं रह जाता है। गो ग्रास में पशुधन आ जाता है तो श्वान ग्रास में पशु, कोएं के ग्रास से पक्षिगण, चिंटी पतंगा के ग्रास से चिंटी आदि जीव और अंतिम अभ्यागत ग्रास में भिखारी आदि आ जाते हैं। ब्राह्मण भोजन को ढकोसला कह कर समझने वालों को श्राद्ध के मूल की सभी विधानों को समझना होगा। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि पंच ग्रास से अर्थ मात्र औपचारिकता से नहीं लिया जाना चाहिए।

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से ऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है। देव ऋण में सृष्टि के नियंता का स्मरण और उसके प्रति आभार प्रकट करना है। इसके लिए भजन-पूजन, स्मरण, सदाचरण आदि की बात है। जो अपने आप को नास्तिक कहते हैं और किसी शक्ति में विश्वास नहीं करते तो भी उन्हें प्रकृति पर तो विश्वास करना ही होगा। प्रकृति को विकृति से बचाना हमारी जिम्मेदारी होती है और प्रकृति व मानवमात्र के कल्याण की बात करना ही देव ऋण से ऋण होने का एक तरीका है। इसी तरह से हमको शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु परंपरा का मान सम्मान और ज्ञान की इस परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना ही गुरु ऋण से उऋण ऋण होने का एक तरीका हो सकता है। जहां तक पितृ ऋण से उऋण होने का प्रश्न है तो इससे उऋण होने का भी आसान रास्ता बताया गया है और वह बच्चे होते ही पूरी होना शुरु हो जाती है और इन बच्चों की शिक्षा और संस्कारित करना और शादी विवाह आदि जिम्मेदारियों का निर्वहन तो आता ही है। यही कारण है कि पौत्र-प्रपौत्र या नाती-नातियों को देखना और पौत्र होने पर सोने की सीढ़ी चढ़ना आदि इसी और इषारा करता है कि हमारे कुल परंपरा में पूर्वजों के श्राद्ध यानी स्मरण करने वाली पीढ़ी हो गई है। कभी मृत्यु के बाद बारह दिन के संस्कारों को देखने का अवसर मिले या फिर बारहवें दिन की सपीण्डी क्रिया देखने को मिले तो कई बातें साफ हो जाती है। सपीण्डी में तीन पितृ पक्ष और तीन मातृ पक्ष के पूर्वजों के स्मरण, पूजा आदि के बाद जब सभी को एकाकार कर दिया जाता है तो उसे सपीण्डी कहा जाता है। हमारी परंपरा यहां तक ही सीमित नहीं रहती। विधान तो यहां तक है कि किसी भी यजन कार्य में पितृ पूजा अवश्य होती है और दोनों ही पक्षों की तीन-तीन पीढ़ी यहां तक कि विवाह संस्कार में भी तीन तीन पीढ़ियों का पुण्य स्मरण किया जाता है।

हमारी शाश्वत परंपरा में व महाभारत व अन्य पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख आता है कि महर्षि अत्रि ने सबसे पहले निमि को श्राद्ध का उपदेश दिया और महर्षि निमि ने सबसे पहले अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म में अग्नि को भी खास महत्व दिया गया है और यह माना जाता है कि अग्नि देव के माध्यम से श्राद्ध पूर्वजों को अर्पित किया जाता है। हमारे यहां पूर्वजों के स्मरण या श्राद्ध के खासतौर से दो अवसर होते हैं। पहला अवसर तो जिस दिन दाग तिथि यानि अंतिम संस्कार या यों कहें कि देहावसान की तिथि को प्रतिवर्ष श्राद्ध का विधान है तो दूसरा महालय श्राद्ध यानि की कन्यागत सूर्य के समय के पन्द्रह दिवस। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या के कुल सोलह दिन सोलह श्राद्ध के दिन होते हैं। स्वर्गागमन किसी भी पक्ष में हो पर कन्यागत श्राद्ध जिसे हम बोलचाल की भाषा में कनागत कहते है उन सोलह दिनों की तिथि के अनुसार श्राद्ध निकाला जाता है। जैसे पूर्णिमा को पूर्णिमा तो प्रतिपदा का प्रतिपदा को और इसी तरह से संबंधित तिथि को। यहां एक बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। शास्त्राचार व लोकाचार में एक बात पर अवश्य जोर दिया गया है कि हमारे पूर्वज श्राद्ध के दिन पुत्री पक्ष की उपस्थिति से अधिक प्रसन्न होते हैं। इसमें श्राद्ध भोजन कि निमित्त या अवसर पर दोयते-दोयती, भांजें-भांजी को भोजन कराना अत्यधिक फलदायक बताया गया है। परिवार की पुत्रियों का इस अवसर पर स्वागत और भी अधिक प्रसंसनीय हो जाता है। स्वागत का अर्थ उनकी उपस्थिति से हो जाता है। पुत्रि पक्ष में बहन, बुआ, बेटियां आदि आ जाती है। अब इसे सामाजिक और वैज्ञानिक तरीके से भी समझने का प्रयास करें तो श्राद्ध कर्म परिवार के जुड़ाव और कुल-कुटुंब में प्रेमाचार-भाईचारा बढ़ाने का अवसर है। इससे हमारे पितृगण प्रसन्न होते हैं। अब इसी से समझा जा सकता है कि श्राद्ध के माध्यम से परिवार को एकजुट होने, एक दूसरे से मिलने-मिलाने और प्रेम और स्नेह को बढ़ाने का अवसर मिल जाता है। यह सब में इसलिए लिख रहा हूं कि श्राद्ध के विधान को लेकर तो मर्मज्ञ विस्तार से चर्चा कर ही लेते हैं। यह भी सब जानते हैं कि श्राद्ध को जहां तक संभव हो विसम संख्या में भोजन कराना चाहिए। योग्यता एक अन्य शर्त कही जा सकती है तो शुद्धता भी आवश्यक होती है। इस सबके साथ ही विधान की लंबी फेहरिस्त हो जाती है और धर्म के आलोचक उसको लेकर टीका-टिप्पणी करते ही रहते है। पर श्राद्ध कर्म से दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि यह केवल और केवल हमारे यहां ही होता हो तो ऐसा है नहीं चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, फ्रांस में ला टेसेंट, योरापीय देषों में आल सेंट्स डे, बौद्धों में घोस्ट फेस्टिवल आदि पूर्वजों के स्मरण और पूजन आदि के अवसर है।

इसलिए यह साफ हो जाना चाहिए कि श्राद्ध, श्राद्ध पक्ष और श्राद्ध कर्म के पीछे हमारे पूर्वजों की गहन सोच है। यह मात्र औपचारिकता या ब्राम्हण भोजन तक सीमित नहीं है तो भोजन कराने से पूर्वजों तक भोजन पहुंचने को लेकर मजाक उड़ाने वालों को बहुत कुछ समझने और उसके मूल को समझना होगा। यदि यह ढ़कोसला होता तो चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, बौद्ध देशों में घूस्ट फेस्टिवल या योरोपीय देशों में टेसेंट या आल सेंट्स डे आदि नहीं होते। इन सबसे भी इतर हमें हमारे जन्मदाताओं के प्रति कृतज्ञता तो व्यक्त करना हमारा दायित्व हो जाता है और यही तो हम श्राद्ध कर्म के माध्यम से करते हैं। बस श्राद्ध में श्रृद्धा का जो महत्व है उसकी पालना हमें करनी ही होगी।

नेपाल में क्या भारत के समर्थन वाली सरकार आ रही है!

अजय कुमार,

भारत के पड़ोसी देश बंगलादेश में हाल ही में शेख हसीना की सरकार के तख्ता पलट के बाद अब एक अन्य पड़ोसी मुल्क नेपाल में भी वामपंथी विचारधारा के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के तख्ता पलट की उम्मीद काफी बढ़ गई है। ओली के मंत्री और सांसद इस्तीफा दे रहे हैं। आम जनता के गुस्से को भांप कर प्रधानमंत्री ओली के साथ-साथ उनके समर्थन वाले कई नेताओं के विदेश जाने की खबरें भी आ रही हैं।

मौजूदा हालात में अगर ओली सरकार गिरती है, तो सबसे पहले सत्ता में आने का रास्ता नेपाली कांग्रेस जैसी मध्यमार्गी, लोकतांत्रिक विचारधारा वाली पार्टी के लिये सबसे अधिक खुलेगा। नेपाली कांग्रेस संसद की सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि सीपीएन-यूएमएल (ओली की पार्टी) दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है; इनके बाद तीसरी ताकत माओवादी केंद्र है, जो प्रगतिशील मगर ओली की तुलना में अधिक विविध गठबंधन की ओर झुकी रही है। ओली के नेतृत्व में मंत्रीमंडल में शामिल सहयोगी दलों ने पहले भी समर्थन वापस लिया है, इसलिए सत्ता परिवर्तन का रास्ता पहले संसदीय दल के बीच मेल-मिलाप, फिर बहुमत परीक्षण के जरिये तय होगा। नई सरकार के लिये गठबंधन जरूरी है, जिसमें कांग्रेस, माओवादी केंद्र और क्षेत्रीय दल प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।वैसे कहा यह भी जा रहा है कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है उसके पीछे अमेरिका का हाथ है।

ओली सरकार की स्थिरता एक बार फिर बड़े संकट में फंस गई है, इसका ट्रिगर हालिया आंदोलन बना, जिसमें भ्रष्टाचार, भेदभाव और सोशल मीडिया नियंत्रण के खिलाफ युवाओं ने बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर कर विरोध किया। इन प्रदर्शनों को दबाने के दौरान पुलिस की फायरिंग में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद सरकार की साख और समर्थन तेजी से गिरा है; साथ ही ओली कैबिनेट से इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया। सबसे पहले गृह मंत्री रमेश लेखक (नेपाली कांग्रेस) ने इस्तीफा देकर नैतिक जिम्मेदारी ली। इसके बाद कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी (नेपाली कांग्रेस) ने भी सरकार की नीतियों के खिलाफ इस्तीफा दे दिया है। ये इस्तीफे बताते हैं कि सरकार के सामने बड़ी सियासी चुनौती है और बहुमत खोने का संकट सिर पर है।

नेपाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन के कई निशाने और असर भारत पर भी सीधे पड़ते हैं। नई सरकार का गठन भारत और चीन दोनों के लिये कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाएगा। भारत पारंपरिक रूप से नेपाल की लोकतांत्रिक, संवैधानिक व्यवस्था को समर्थन देता रहा है और बार-बार राजनीतिक स्थिरता का पक्षधर रहा है। नेपाल में वामपंथी हुकूमतें आमतौर पर चीन के करीब दिखती हैं और भारत के साथ कई अहम समझौतों को ओझल कर देती हैं, जबकि नेपाली कांग्रेस जैसे दल खुलकर भारत-नेपाल सांस्कृतिक, राजनयिक, व्यापारिक रिश्तों को प्राथमिकता देते हैं। अगर ओली सरकार गिरती है और कांग्रेस गठबंधन सत्ता में आता है, तो भारत-नेपाल संबंधों के सहज होने, आपसी व्यापार बढ़ने और सीमाई विवादों के कम होने की संभावना कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी; वहीं, ओली द्वारा लागू कट्टर राष्ट्रवाद कृजो चीन के साथ नजदीकी बढ़ाने की कोशिशों में झलकता रहा कृ उसमें ब्रेक लग सकता है।

नेपाल के हालिया राजनीतिक अस्थिरता के भारत पर प्रभाव को तीन पहलुओं में समझा जा सकता है। पहला, भारत नेपाल में स्थिरता चाहता है ताकि मधेस, सीमा विवाद और पारगमन व्यापार को लेकर सहयोग बढ़ सके। अस्थिर सरकारों के कारण अक्सर समझौते टल जाते हैं या नए सिरे से कूटनीति की जरूरत पड़ती है।

दूसरा, ओली की वामपंथी सरकार ने भारत के खिलाफराष्ट्रवादी बोल, सीमाई मुद्दों पर चीन के पक्ष में झुकाव और आंतरिक राजनीति में बाहरी (खासकर भारतीय) दखल का आरोप बार-बार लगाया। सत्ता परिवर्तन से भारत के लिए एक संवेदनशील, व्यावहारिक सहयोगी सामने आ सकता है।

तीसरा, चीन के दखल और नेपाल की आंतरिक राजनीति में सैन्य व अधोसंरचना सहयोग के मुद्दे पर भारत सावधान रहता है। नई सरकार बनने के बाद भारत-नेपाल के कूटनीतिक संतुलन को साधने की कोशिश संभव है। ओली सरकार में जो मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं, उनमें गृह मंत्री रमेश लेखक और कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी (दोनों नेपाली कांग्रेस) के नाम सामने आ चुके हैं। दोनों ने व्यापक विरोध-प्रदर्शन, विपक्षी दलों के दबाव और पुलिस बर्बरता व जवाबदेही के अभाव को लेकर इस्तीफा दिया है; इनके अलावा भी गंभीर असंतोष के संकेत मिल हे हैं।

नेपाल में मौजूदा संकट का स्रोत नई पीढ़ी का असंतोष, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और फ्री स्पीच की मांग है, जिससे सरकार का जनाधार कमजोर हुआ है। ओली सरकार के जाने के बाद केंद्र में लोकतांत्रिक, लोककल्याणकारी एजेंडा रखने वाली पार्टियों का दबदबा बढ़ सकता है, जिससे भारत-नेपाल संबंधों में नया संचार और क्षेत्रीय संतुलन संभव है। किंतु सेट बैक यह रहेगा कि बार-बार सियासी उठापटक नेपाल की आंतरिक प्राकृतिक व मानवीय समस्याओं को भी और लंबा खींच सकती है, जिसका सीधा असर भारत-नेपाल के सीमाई इलाकों, प्रवासी कामगारों और सांस्कृतिक रिश्तों पर पड़ेगा। इसलिए घटनाक्रम पर भारत की दोतरफा कूटनीतिक सक्रियता बढ़ना तय है।

जीएसटी में बदलाव दुविधा में विपक्ष

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी व्यवस्था में किए गए व्यापक सुधारों (जीएसटी 2.0) को राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि को 'दोहरी खुराक' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की श्रृंखला अब नहीं थमेगी।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद के दौरान कहा कि उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से वादा किया था कि दिवाली और छठ पूजा से पहले देशवासियों को 'दोहरा धमाका' मिलेगा। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की बुधवार को हुई बैठक में अब से सिर्फ पांच और 18 फीसद की दो कर दरें रखने का फैसला किया गया जबकि विलासिता एवं अहितकर उत्पादों को 40 फीसद के दायरे में रखा गया है। जीएसटी में यह राहत 22 सितम्बर से मिलना शुरू हो जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आम लोगों की जेब में अधिक पैसा बचे और उनका जीवन बेहतर बने। दावा किया जा रहा है कि नये सुधारों से कर प्रणाली सरल होगी, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा, खपत एवं वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, कारोबारी सुगमता बढ़ेगी जिससे निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा विकसित भारत के लिए सहकारी संघवाद को मजबूती मिलेगी। हालांकि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने दावा किया है कि इसे लागू करने में देर हो गई है।

हालांकि नये सुधारों का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन इस तरफ ध्यान जरूर खींचा जा रहा है कि जीएसटी का मौजूदा डिजाइन और कई दरें होनी ही नहीं चाहिए थीं। कांग्रेस का कहना है कि उसने 2019 और 2024 के लोक सभा चुनावों के अपने घोषणापत्र में तर्कसंगत कर व्यवस्था के साथ जीएसटी 2.0 की मांग की थी, लेकिन मोदी सरकार ने एक राष्ट्र, एक कर को एक राष्ट्र, नौ कर बना दिया। बहरहाल, जीएसटी में नये सुधार के खिलाफ बोलने के लिए विपक्ष के पास कुछ ज्यादा नहीं है।

सच तो यह है कि विपक्ष दुविधा में है कि जीएसटी में बदलाव पर क्या कहे। कर सरलीकरण के लिहाज से ही नहीं, बल्कि ट्रंप टैरिफ के असर को कम करने के मद्देनजर भी यह सुधार जरूरी था। निर्यात मोर्चे पर भारतीय उत्पादों को ट्रंप टैरिफ के चलते झटका मिलना तय है। घरेलू मांग को मजबूत बनाए रख कर ट्रंप टैरिफ के असर को कम से कम किया जा सकता है। जीएसटी में यह सुधार यकीनन आर्थिक तकाजों को पूरा करने वाला स्वागतयोग्य कदम कहा जा सकता है।

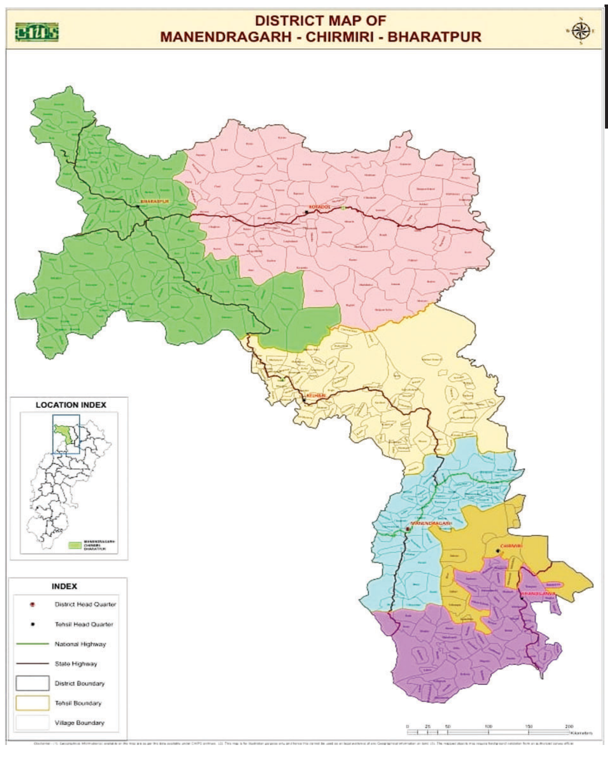

एमसीबी जिले पर विशेषः लगभग दो सौ वर्षों बाद हुआ पुनः विभाजन

छत्तीसगढ़ के 32वें जिले के रूप में 9 सितम्बर 2022 को अस्तित्व में आया मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला, जो कोरिया जिले से विभाजित होकर बना और जिसका मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में स्थापित किया गया। जिले के नोडल अधिकारी पर्यटन, पुरातत्व एवं इतिहासकार डॉ. विनोद कुमार पांडेय बताते हैं कि पूर्व में कोरिया रियासत में 1600 ई. तक राजा बालंद का शासन था।

1750 में मैनपुरी के चौहान वंश के दलथम्मन शाही व धारमलशाही कोरिया पहुंचे और वहां कोल जाति व गोंडों के बाद चौहान वंश का राज्य स्थापित हुआ। यह वंश स्वयं को सम्राट पृथ्वीराज चौहान का वंशज मानता है। कुछ समय उपरांत ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथों नागपुर के मोड़ेजी भोसले के परास्त हो जाने के बाद छत्तीसगढ़ के अधिकांश राज्य ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन आ गए और उसी के साथ कोरिया राज्य भी ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन आ गया। 24 दिसंबर 1819 में राजा गरीब सिंह के स्वीकृत करारनामा के अनुसार राज्य को 400 रुपये वार्षिक अंग्रेजों को देने का प्रावधान किया गया, साथ ही चांगभखार रियासत (जनकपुर) कोरिया की सामंती अधीनता होने के कारण 386 रुपये कोरिया राज्य के माध्यम से कंपनी को देना तय हुआ। आगे डॉ. पांडेय बताते हैं कि राजा गरीब सिंह के बाद राजा अमोल सिंहदेव का शासन प्रारंभ हुआ। सन् 1848 में हुए एक अन्य अनुबंध के अनुसार चांगभखार रियासत ने देय राशि सीधे ईस्ट इंडिया कंपनी को देना शुरू कर दिया और इस प्रकार वह कोरिया रियासत से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आ गया तथा उसे 'भैया' की उपाधि दी गई। कालांतर में इतिहास ने करवट ली और लगभग 200 वर्षों बाद 25 मई 1998 को रियासत के इसी हिस्से में कोरिया जिले का गठन हुआ, जिसका मुख्यालय बैकुंठपुर बनाया गया और इसका क्षेत्रफल 5977.70 वर्ग किलोमीटर निर्धारित किया गया। जिस प्रकार 1848 में कोरिया रियासत से अलग होकर चांगभखार रियासत का स्वतंत्र अस्तित्व बना था, उसी प्रकार इतिहास दोहराया गया और 9 सितंबर 2022 को कोरिया जिले से अलग होकर नवीन मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला अस्तित्व में आया, जिसका मुख्यालय मनेंद्रगढ़ बनाया गया। इसमें पूर्व चांगभखार रियासत तथा कोरिया रियासत का कुछ भाग शामिल किया गया। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का गठन कोरिया जिले के उपखंड मनेंद्रगढ़ (तहसील मनेंद्रगढ़ व केल्हारी), उपखंड भरतपुर (तहसील भरतपुर), उपखंड खड़गवां-चिरमिरी (तहसील खड़गवां एवं चिरमिरी) को समाविष्ट करते हुए किया गया। इसकी सीमाएं उत्तर में तहसील कुसमी जिला सीधी-सिंगरौली (मध्यप्रदेश), दक्षिण में तहसील पोड़ी उपरोड़ा जिला कोरबा एवं तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर, पूर्व में तहसील बैकुंठपुर एवं सोनहत तथा पश्चिम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही व अनूपपुर (मध्यप्रदेश) जिले से मिलती हैं। जिले का क्षेत्रफल 1726.39 वर्ग किलोमीटर तथा जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 4,22,248 थी।

जिले के नामकरण के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए डॉ. पांडेय बताते हैं कि वास्तव में मनेंद्रगढ़ का मूल नाम कारीमाटी था, क्योंकि यहां के आसपास कोयले का विशाल भंडार था तथा इस भूभाग की मिट्टी काली थी। सन 1927 में कारीमाटी में भीषण आग लग गई, जिससे संपूर्ण क्षेत्र जलकर राख हो गया। 1930 में रेलवे लाइन आने के बाद तत्कालीन कोरिया राजा रामानुज प्रताप सिंह ने रेलवे स्टेशन के निकट नगर बसाने का निर्णय लिया और इस स्थान का नाम अपने तृतीय पुत्र महेंद्र प्रताप सिंहदेव के नाम पर मनेंद्रगढ़ रखा। चिरमिरी नाम की उत्पत्ति का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है, फिर भी एक मत के अनुसार यहां चेरी माई की स्मृति में स्थित एक सती मंदिर था, जो भग्नावस्था में था और उसी के नाम पर इस क्षेत्र का नाम चिरमिरी पड़ा होगा। इसी प्रकार जनकपुर का संबंध चांगभखार रियासत से रहा है और इसका नामकरण रियासत की कुलदेवी माता चांगदेवी के नाम पर किया गया था।

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

महापौर बाघमार ने बोरसी मुक्तिधाम में किया वृक्षारोपण

दुर्ग। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नगर निगम लगातार सराहनीय पहल कर रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के महापौर अलका बाघमार ने मंगलवार को वार्ड 52 बोरसी मुक्तिधाम परिसर में प्रभारी काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद गुलशनसाहू,साजन जोसफे, उपअभियंता पंकज साहू,उद्यान प्रभारी अनिल सिंह के साथ मिलकर विभिन्न प्रज्तियो का पौधों का रोपण किया। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने मुक्तिधाम के बाउंड्रीवाल मरमत एवं मुक्तिधाम के भीतर सड़क व्यवस्थित करने के निर्देश मौजूद अधिकारी को दिए। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने मां के नाम एक पौधों को सुरक्षित कर वृक्ष बनाने का संकल्प भी लिया। महापौर ने कहा सिर्फ पौधे लगाए बल्कि उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी अपने ऊपर ली। महापौर ने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि यह सिर्फ पौधा लगाने का काम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए जीवनदान देने जैसा है। अभियान के तहत नीम, पीपल, गुलमोहर, करंज,कदम और विभिन्न फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इन्हें ऐसे स्थानों पर रोपा गया जहाँ सुरक्षित रखकर पानी देने और देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। महापौर ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी तय की जाए ताकि ये आने वाले वर्षों में विशाल वृक्ष का रूप ले सकें। महापौर ने कहा कि यदि हम आज पेड़ लगाएंगे तो कल हमारे बच्चे प्रदूषण रहित वातावरण में सांस ले सकेंगे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जगमगाया ओमप्रकाश साहू का घर

दुर्ग। दुर्ग जिले के रसमड़ा गाँव में रहने वाले ओमप्रकाश साहू ने सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर अपने घर को रोशन कर दिया है। अब उनके घर का बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है और वे बिजली के भारी-भरकम खर्च से लगभग पूरी तरह से मुक्त हो चुके हैं। श्री साहू ने बताया कि पहले बिजली बिल उनकी मासिक बजट का एक बड़ा हिस्सा हुआ करता था। लेकिन अब, जब से उन्होंने अपने घर पर सोलर पैनल लगवाया है, उनका बिजली बिल लगभग खत्म हो गया है, जिससे उनके चेहरे पर राहत की मुस्कान है। उन्होंने 3 किलोवॉट का टाटा सोलर ऑन-ग्रिड सिस्टम लगवाया है। सिस्टम लगवाने के लिए साहू को सरकार से 78 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने अभी 20 हजार रूपए लगाए है और बाकि पैसे किश्तों में दे रहे हैं। सोलर पैनल से उनके घर को निर्बाध सौर ऊर्जा मिल रही है। इस योजना से मिली बचत से साहू बहुत खुश हैं।

दुल्हनों से सजा बीएमएस मरोदा का मंच, ज्योति बनी तीज क्वीन

रंगारंग कार्यक्रम से सजा तीज मिलन का मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी कर्मियों और अधिकारियों की पत्नियों की प्रतिभा को मंच देने वाले शहर के सबसे बड़े भिलाई महिला समाज के मरोदा क्लब का तीज मिलन समारोह हुआ। इस कार्यक्रम में जहां क्लब की सदस्य दुल्हन बनकर पहुंची तो वही उनकी परफ र्मेंस ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सोलह श्रृंगार कर पहुंची महिलाओ में कोई केरल की दुल्हन बनकर पहुंचा तो कोई राजस्थानी दुल्हन के रूप में नजर आई।

वही लंबा सा सिंदूर लगाकर महिलाओं ने यूपी और बिहार की दुल्हन की खूबियां भी दिखाई। संस्कृति, संस्कार और सशक्तिकरण को दर्शाते हुए इन महिलाओं ने रैंपवॉक में न सिर्फ खुद को साबित किया, बल्कि समजा के लिए भी संदेश दिया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष स्मिता गिरी थी। विशेष अतिथि भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष मौली चक्रवर्ती, छवि निगम, पूनम कुमार, रेणुका रविन्द्रनाथ एवं राजहरा महिला समाज से शीला प्रकाश थी। वही कोर कमेटी से सचिव सोनाली रथ, सहसचिव चैती पॉल, कोषाध्यक्ष शिखा जैन, सहकोषाध्यक्ष रीता तिवारी मौजूद थे। इसके साथ ही भिलाई महिला समाज की सभी यूनिट की इंचार्ज भी मौजूद थी। इस मौके पर क्लब की सचिव प्रिया पगारे ने स्वागत भाषण के जरिए क्लब की गतिविधियों को बताया।

मंच पर भक्ति से लेकर शक्ति

सिविक सेंटर स्थित प्रगति भवन में हुए इस आयोजन में कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। जिसे क्लब की सीनियर मेंबर रश्मि घाटे ने प्रस्तुत किया। वंदना और स्वाति ने गीतों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया। जबकि गणेश वंदना पर विद्या और पूजा झा ने नृत्य पेश किया। इसके बाद ड्रामा में अनिमा और ग्रुप ने समां बांधा। वही क्लब की सीनियर मेंबर सोमा दाम के सेमीक्लासिकल डांस को सभी ने पसंद किया। रेट्रो डांस में नीता त्रिपाठी, सुनीता यादव और निधि मिश्रा ने फिल्मी तड़का लगाया। इसके साथ ही श्वेता कोरी की कोरियोग्राफी में पूनम, ठाकुर, माधवी, विजया सोनी, आभा और पुष्पा ने राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति दी।

रैंप में ब्रेन विद् ब्यूटी

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन रही। क्लब में हुए ऑडिशन के बाद 17 मेंबर्स सेमीफाइनल राउंड के लिए चुने गए। इन सभी ने रैंपवॉक और अपने-अपने प्रॉप के जरिए अपनी खूबसूरती को पेश किया। इस राउंड से 8 प्रतिभागी फाइनल के लिए चुने गए। जिसमें अगले राउंड में खूबसूरती के साथ उनकी कुशाग्र बुद्धि को भी परखा गया। अतिथियों के प्रश्नों के सही और सटीक जवाब देकर ज्योति ठाकुर ने तीज क्वीन का खिताब जीता। वही दूसरे स्थान पर पूजा झा रही और तीसरे स्थान पर स्मिता गोन रही। जजेस च्वाइस का खिताब विजया सोनी और माधवी को दिया गया। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन पुनिता कौशल और रश्मि साहू ने किया। जबकि रैंपवॉक सोमा दाम के मार्गदर्शन में किया गया।

यूनिटी और डिसिप्लिन में नंबर वन

इस मौके पर मुख्य अतिथि एवं भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष स्मिता गिरी ने कहा कि मरोदा क्लब हमेशा ने अपनी अलग छाप छोड़ी है। तीन बार चैम्पियन रहे इस क्लब की यूनिटी और डिसिप्लिन काबिले तारीफ है। यहां महिलाएं क्लब की मेंबर नहीं बल्कि फेमिली की तरह रहती है जो हाथों-हाथ हर काम संभाल लेती है। उन्होंने कोर कमेटी में सहसचिव और क्लब की सीनियर मेंबर चैती पॉल के भिलाई महिला समाज के प्रति समर्पण की भी तारीफ की।कार्यक्रम के अंत में क्लब की सहसचिव अनिता बंसल और कोषाध्यक्ष शिखा तिवारी ने आभार प्रदर्शन किया। इस मौके पर क्लब की वरिष्ठ सदस्य पूनम प्रियदर्शी, संगीता सिजारिया, रश्मि घाटे, सुनीता निखाड़े, उषा साहू, ज्योति चंद्राकर, दिव्या साहू, पूनम वर्मा, सोमा देब, कामिनी तिवारी, संध्या वर्मा, रेशू जैन, शीतल चेलक, कल्पना देवांगन सहित क्लब की सैकड़ों सदस्य मौजूद थी।

आईआईटी भिलाई में आईआईएम छात्र सहयोगी अध्याय का उद्घाटन, सुरक्षा अभियांत्रिकी पर कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी भिलाई और भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम), भिलाई चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आईआईएम छात्र सहयोगी अध्याय का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं प्राध्यापकों के लिए उद्योग और शिक्षा के मध्य प्रेरक मंच उपलब्ध कराना और सुरक्षा अभियांत्रिकी में तकनीकी दक्षता बढ़ाना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (संकार्य), भिलाई इस्पात संयंत्र एवं मानद अध्यक्ष, आईआईएम-भिलाई चैप्टर राकेश कुमार रहे। अध्यक्षता निदेशक आईआईटी भिलाई राजीव प्रकाश ने की। विशिष्ट अतिथियों में भिलाई इस्पात संयंत्र से मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (लौह) श्री तापस दासगुप्ता और मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) बी.के. बेहरा उपस्थित रहे।

उद्घाटन के बाद औद्योगिक सुरक्षा अभियांत्रिकी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी एवं अग्नि सेवा विभाग के विशेषज्ञों ने छात्रों, प्राध्यापकों और सुरक्षा कर्मियों को संबोधित किया। तकनीकी सत्रों में कारखाना अधिनियम, पीपीई प्रबंधन, इंजीनियरिंग उद्योग में सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा पर व्याख्यान और हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण शामिल थे। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि राकेश कुमार ने नवगठित छात्र अध्याय को छात्रों और प्राध्यापकों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए इसे गर्व का अवसर कहा। निदेशक आईआईटी भिलाई श्री राजीव प्रकाश ने छात्र अध्याय की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त की और आईआईएम से जुड़ने के बहुआयामी लाभों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र और आईआईएम-भिलाई चैप्टर के वरिष्ठ अधिकारियों सहित कार्यकारिणी सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। महाप्रबंधक (गुणवत्ता) के.वी. शंकर, उप महाप्रबंधक (एम एंड यू) श्री उदय भानु तिवारी और अन्य अधिकारियों ने सफल आयोजन में योगदान दिया। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (लौह) तापस दासगुप्ता ने कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों में संयंत्र और आईआईएम-भिलाई चैप्टर का सहयोग जारी रहेगा।

मौसमी बिमारियों की रोकथाम हेतु लगातार दवा छिड़काव जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 01 नेहरू नगर अंतर्गत मौसमी बिमारियों की रोकथाम हेतु निगम का स्वास्थ्य अमला लगातार वार्डो में जाकर सर्वे कर रहे है। बरसाती पानी के जमाव से होने वाले मौसमी बिमारियों की रोकथाम हेतु दवाई छिड़काव निरंतर जारी है।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर वार्ड क्रं. 18 कांट्रेक्टर कालोनी क्षेत्र के बजरंग चौंक, सड़क 21 संगीता किराना स्टोर एवं आमोद भवन के आस-पास घरों में डोर-टू-डोर जाकर कुलर, शौचालय, बाथरूम, नालियों, कंटेनर, पानी की टंकियों का जांच किया जा रहा है। जहां भी बरसात का पानी भरा हुआ पाया जा रहा है, उसे खाली कराया जा रहा है। डेंगू, मलेरिया के बचाव एवं जिला मच्छर उन्मूलन टीम द्वारा मैलाथियान, टेमीफास, जला आयल का छिड़काव किया जा रहा है। निगम के वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के. के. सिंह के नेतृत्व में नागरिको को स्वास्थ्य शिक्षा भी प्रदान किया जा रहा है। साथ ही यह भी समझाइस दी जा रही है किसी प्रकार के बिमारी का लक्षण दिखे तो नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर जांच कराए और डाक्टर की सलाह से दवा का सेवन करें।

दुर्घटनाग्रस्त चेहरे की हड्डी की सर्जरी पर ईएनटी विशेषज्ञों की राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। किसी हादसे में सिर पर लगी गंभीर चोटों के साथ ही चेहरे पर भी गहरे जख्म हो सकते हैं. चेहरे की टूटफूट के इलाज की सुविधा अब भी बड़े शहरों तथा मेडिकल कालेजों तक ही सीमित है। इसी दिशा में अपनी प्रयास तेज करते हुए एसोसिएशन ऑफ ऑटोलैरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया ने एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन यहां किया।

कार्यशाला में कैडेवरिक डेमोंस्ट्रेशन के साथ ही स्कल मॉडल्स पर प्रशिक्षुओं को हैण्डस-ऑन ट्रेनिंग दी गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ एके गर्ग ने बताया कि देश में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख सड़क हादसे होते हैं. अधिकांश मामलों में हेड इंजरी शामिल होती है. इनमें से लगभग ढाई लाख लोगों की मौत हो जाती है. 6 एवं 7 सितम्बर को एआईएमएम मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला में इन्हीं चोटों के विषय में विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दी. प्रशिक्षुओं को कैडेवर की मदद से फेस तथा स्कल में लगने वाली चोटों के बारे में विस्तार से बताया गया. जबड़े तथा चेहरे की टूटी-फूटी हड्डियों को प्लेट और स्क्रू की सहायता से व्यवस्थित करने की हैंड्सऑन ट्रेनिंग दी गई. विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि आज इनमें से अधिकांश सर्जरियां दूरबीन पद्धति से किया जाना भी संभव हो गया है।

इस कार्यशाला में चेन्नई से डॉ जयंत पी और मुम्बई के विशेषज्ञ डॉ राजेश यादव भी शामिल हुए. इस अवसर पर पीजी स्टूडेंट्स के लिए एक क्विज का भी आयोजन किया गया जिसमें रूंगटा कॉलेज ऑफ डेन्टल साइंसेज की टीम विजयी रही. एसोसिएशन की तरफ से उपाध्यक्ष डॉ आदित्य मेठी, सचिव डॉ सुनील नेमा, संयुक्त सचिव द्वय डॉ मयुरेश वर्मा एवं डॉ आरएस गौर, डॉ अनुज गुप्ता, डॉ सीमा पति, डॉ नमन पिंचा, कोषाध्यक्ष डॉ अपूर्व वर्मा, डॉ अभिराज तिवारी, डॉ शुभम अग्रवाल एवं डॉ अलेख सिदार ने कार्यशाला को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया. कार्यशाला में ईएनटी सर्जनों के अलावा डेन्टल सर्जन एवं प्लास्टिक सर्जन भी सम्मिलित हुए।

बीएसपी में 'मिशन लक्ष्मी' स्वास्थ्य शिविर एवं 'नई चेतना' संयुक्त कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआरडी केन्द्र में 9 सितम्बर 2025 को महिला संविदा कर्मचारियों के लिए 'मिशन लक्ष्मी' स्त्री रोग स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत एकदिवसीय स्वास्थ्य शिविर तथा 'नई चेतना' महिला अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन जेएलएन चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, बीएसपी के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) विभाग, औद्योगिक संबंध विभाग तथा मानव संसाधन विभाग के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (एचआर) पवन कुमार थे। विशिष्ट अतिथियों में मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर

शामिल रहे। इस अवसर पर जेएलएन चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ चिकित्सकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की।

शिविर में कुल 95 महिला कर्मचारियों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस दौरान 95 रक्त के नमूने तथा 35 पैप स्मीयर टेस्ट किए गए। प्रतिभागियों के बीच क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित हुई, जिसमें 25 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त हीमोग्लोबिन और ब्लड शुगर की जांच भी की गई।

अपने उद्बोधन में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने महिलाओं से स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और निवारक देखभाल पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता और समय पर परामर्श ही स्वस्थ और गरिमापूर्ण जीवन जीने का आधार है। साथ ही उन्होंने सभी महिलाओं से अपने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया और कहा कि शिक्षा के जरिए ही आपके बच्चे अपने सपनों की उड़ान भर पाएंगे।

शिविर के दौरान संविदा महिला कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। डॉ. शुभस्मिता ने बाल स्वास्थ्य एवं टीकाकरण पर, डॉ. निशा ठाकुर ने प्रजनन स्वास्थ्य, कैंसर जागरूकता एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर तथा सुश्री पारोमिता दासगुप्ता ने संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली पर व्याख्यान दिया। 'नई चेतना' पहल के अंतर्गत महिला कर्मचारियों को उनके कानूनी अधिकारों, समय पर वेतन भुगतान, वैधानिक प्रावधानों, कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, तथा सुरक्षित और गरिमापूर्ण कार्य वातावरण की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक लता मिश्रा ने किया। स्वागत भाषण महाप्रबंधक जेएन ठाकुर और सहायक प्रबंधक शशि सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन उप-महाप्रबंधक (सीएसआर) अपर्णा चंद्रा ने किया। इस पहल को वरिष्ठ अधिकारियों का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इनमें कार्यपालक निदेशक डॉ. रविन्द्रनाथ एम., मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, डॉ. एस. मुखर्जी, डॉ. उदय कुमार, तथा अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकार डॉ. मनीषा कांगो शामिल रहीं।

इसके साथ ही महाप्रबंधक शिवराजन नायर, महाप्रबंधक जेएन ठाकुर, महाप्रबंधक विकास चंद्रा और उप-महाप्रबंधक (सीएसआर) अपर्णा चंद्रा का योगदान रहा। शिविर के सफल आयोजन में बुधेलाल, गुंजन, अनुकृति (टेक्नोलॉजिस्ट) तथा सपना (असिस्टेंट) का भी विशेष सहयोग रहा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सरकारी कर्मचारियों ने अपने जन्मदिन पर बच्चों के संग साझा की अपनी खुशियां

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित अभिनव पहल प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां के तहत रायपुर जिले के अधिकारी एवं कर्मचारी अब अपने जन्मदिवस को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए नन्हें बच्चों संग खुशियां बांट रहे हैं। इसी कड़ी में लेक्चरर भीखम राम साहू तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सुपरवाइजर उभय राम साहू ने अपने जन्मदिन के अवसर पर आंगनबाड़ी तथा स्कूली बच्चों के साथ विशेष समय बिताया।

दोनों अधिकारियों ने बच्चों के साथ केक काटा तथा उन्हें फल, मिठाई, पौष्टिक आहार वितरित की। इस पहल के तहत कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह द्वारा जिले के अधिकारियों व कर्मचारियों को जन्मदिन की पूर्व संध्या पर एसएमएस और ई-कार्ड के माध्यम से शुभकामनाएं भेजी जाती हैं और उन्हें पास के आंगनबाड़ी या विद्यालय में बच्चों संग जन्मदिन मनाने हेतु प्रेरित किया जाता है। अपने अनुभव साझा करते हुए दोनों कर्मचारियों ने कहा, बच्चों के साथ जन्मदिन मनाना हमारे लिए अत्यंत सुखद अनुभव रहा। समाज से जुड़कर अपनी खुशियां बांटना एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता प्रदान करता है।

प्रोजेक्ट धड़कन : आंगनबाड़ी एवं शासकीय विद्यालयों के 94 बच्चों का निःशुल्क हृदय रोग जांच किया गया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन रायपुर की नवाचारी पहल प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों के जन्मजात हृदय रोग की प्रारंभिक पहचान हेतु स्क्रीनिंग की गई।

जिसके तहत आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 19 बिरगांव में 65 बच्चों की जांच की गई। जिसमें 27 छात्र एवं 38 छात्राएं शामिल रही। जिसमें 01 बच्चा सस्पेक्टेड मिला एवं आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 21 व्यास नगर में 29 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 15 छात्र एवं 14 छात्राएं शामिल रहे तथा कोई भी बच्चा सस्पेक्टेड नहीं मिला। आगे जांच के लिए श्री सत्य साई हॉस्पिटल, नवा रायपुर में भेजा जाएगा।

प्रोजेक्ट धड़कन का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के लक्षणों की प्रारंभिक पहचान, जांच एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ तथा स्तनपान के समय पसीना आना जैसे लक्षणों के आधार पर बच्चों की जांच की जाती है।

रायपुर में गणेश विसर्जन शोभायात्रा संपन्न, एसपी लाल उम्मेद सिंह ने जवानों के साथ खिंचवाई तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में गणेश उत्सव का समापन हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव के साथ हुआ। गणेश विसर्जन की झांकियों और शोभायात्राओं के दौरान पूरे शहर का माहौल भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु सड़कों पर उमड़े और गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से शहर गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर रायपुर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से विशेष इंतजाम किए थे। शहर के मुख्य चौक-चौराहों से लेकर विसर्जन स्थलों तक पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी।

गणेश विसर्जन की शोभायात्राएं शहर के अलग-अलग इलाकों से निकलकर तालाबों और नदी तटों तक पहुंचीं। जगह-जगह झांकियों में भगवान गणेश की सुंदर और आकर्षक प्रतिमाएं सजाई गईं। श्रद्धालुओं ने ढोल-ताशे, नृत्य और भजन-कीर्तन के साथ भगवान गणेश को विदाई दी। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कई जगह इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया जिससे जल प्रदूषण को कम किया जा सके। इस दौरान पुलिस प्रशासन की सक्रियता और तत्परता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। रायपुर पुलिस ने विसर्जन कार्यक्रम को शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शहर को अलग-अलग सुरक्षा जोन में बांटा था। भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी, ट्रैफिक जवान और विशेष दस्ते तैनात किए गए थे। वहीं, ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी की मदद से शोभायात्राओं की निगरानी की गई।

कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसपी) लाल उम्मेद सिंह ने राहत की सांस ली और जवानों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी अधिकारियों और जवानों की मेहनत और निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के बड़े आयोजन में पुलिस की सजगता और जनता का सहयोग ही सुरक्षा और शांति की गारंटी है। एसपी लाल उम्मेद सिंह ने कार्यक्रम के समापन के बाद उन पुलिसकर्मियों के साथ सामूहिक तस्वीर खिंचवाई, जो विसर्जन के दौरान लगातार ड्यूटी पर तैनात रहे। तस्वीर में उनके साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा, जिसने इस आयोजन को पूरी तरह सुरक्षित बनाने में अहम योगदान दिया। गणेश विसर्जन के अवसर पर प्रशासन और पुलिस द्वारा किए गए इंतजामों की लोगों ने भी प्रशंसा की।

श्रद्धालुओं ने कहा कि इस बार की शोभायात्राएं बिना किसी बाधा और अव्यवस्था के संपन्न हुईं। ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु रही और सुरक्षा का खास ख्याल रखा गया। कुल मिलाकर, रायपुर में गणेश विसर्जन का आयोजन शांति, सौहार्द और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। पुलिस की मुस्तैदी और प्रशासनिक प्रयासों ने इस पर्व को यादगार बना दिया। एसपी लाल उम्मेद सिंह का जवानों के साथ तस्वीर खिंचवाना न केवल पुलिस बल के उत्साह को बढ़ाने वाला कदम है बल्कि यह संदेश भी देता है कि किसी भी बड़े आयोजन में पुलिस और जनता का तालमेल ही सबसे बड़ी सफलता है।

साधारण व्यक्ति भी चाहे तो वह असाधारण सफलता प्राप्त कर सकता है - उबोवेजा

शिक्षक का उद्देश्य बच्चे को सही - गलत में अंतर समझाकर सही राह होता है दिखाना - तिवारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में नव प्रवेशित छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ लोक आयोग के प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति इन्दर सिंह उबोवेजा ने छात्राओं से अपने छात्र जीवन के कुछ रोचक स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि साधारण व्यक्ति भी चाहे तो वह असाधारण सफलता प्राप्त कर सकता है, इसके लिए कड़े संघर्ष, हौसले और जीवन में अनुशासन की आवश्यकता होना बहुत जरुरी है।

उन्होंने छात्राओं को जीवन में अच्छी संगत और लक्ष्य पर चलकर देश और समाज के लिए अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा दी। साथ ही उनके विभिन्न अधिकारों से भी उन्हें अवगत कराया व सजग रहने कहा। उन्होंने छात्राओं को सलाह देते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ग्रंथालय, पुस्तकें, समाचार पत्र का वाचन जरुर करेंगे इससे बहुत सारी जानकारियां हमें प्राप्त होती है।

शासी निकाय के अध्यक्ष अजय तिवारी ने कहा कि एक बच्चे की प्रथम शिक्षिका उसकी माता होती है और दूसरे शिक्षक के रुप में विद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षक आते है। इन सभी का उद्देश्य बच्चे को सही गलत में अंतर समझाकर सही राह दिखाना होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी का यह कर्तव्य होता है कि वह अपने माता-पिता एवं गुरुजनों के दिखाये हुए मार्ग पर प्रशस्त रहें। महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ राजेश अग्रवाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नियमों से छात्राओं एवं पालकों को अवगत कराया व क्रेडिट पॉइंट, सीजीपीए, एसजीपीए जैसे विभिन्न नए शब्दों की जानकारी दी। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवल से हुआ।

कराएं पंजीयन और निःशुल्क यात्रा कर आनंद लें डोंगरगढ़ दर्शन का

रायपुर। जगत जननी मां दुर्गा के पावन पर्व शारदीय नवरात्र का शुभारंभ सोमवार, 22 सितंबर से हो रहा है। मां काली सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह निःशुल्क डोंगरगढ़ दर्शन-10 का शुभारंभ 22 सितंबर से किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष दीपक भारद्वाज (पोल्ले) ने बताया, इस यात्रा के लिए पूर्व पंजीयन अनिवार्य रखा गया है। वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर सीटें आबंटित की जाएंगी। पूर्व पंजीयन के लिए समिति के इंदिरा चौक, श्यामनगर स्थित कार्यालय में 17 से 20 सितंबर तक सुबह 10 से दोपहर 2 बजे एवं शाम 4 से 6 बजे तक संपर्क किया जा सकता है। टिकट आरक्षण 'पहले आओ, पहले पाओ' की तर्ज पर किया जाएगा। यह निःशुल्क यात्रा इस वर्ष भी 4 बसों के माध्यम से कराई जाएगी। ये बसें क्रमशः एक-दूसरे के पीछे डोंगरगढ़ पहुंचेगी। जो प्रातः 09.30 बजे प्रस्थान स्थल से छूटेंगी व गंतव्य स्थल पहुंचकर और श्रद्धालुओं के दर्शन करने के बाद निर्धारित समय पर डोंगरगढ़ से वापस रायपुर लौटेंगी। यह यात्रा 22 से 26 सितंबर तक अर्थात् पांच दिनों तक चलेगी। यदि औसतन 60 यात्री 1 बस में सुविधाजनक रूप से यात्रा करते हैं, तो रोजाना 240 यात्री एक दिन में यात्रा कर सकेंगे।

हमें कितना व कब तक पैसा कामना है बताने वाला कोई नहींः धनंजय शास्त्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वेदों की शिक्षा हमें नैतिकता सिखाती थी। मैकाले शिक्षा पद्धति ने हमें नौकरी करना और ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना सिखाया। हमें कितना पैसा कमाना है, कब तक कमाना है, यह बताने वाला कोई नहीं है। धर्मसभा विद्वतसंघ श्रीश्री जगतगुरु शंकराचार्य पीठम के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी निरंजनानंद आचार्य वेदमूर्ति धनंजय शास्त्री वैद्य ने इस आशय के विचार धर्म- आध्यात्म पर विशेष चर्चा सत्र के दौरान व्यक्त किए।

आचार्य धनंजय ने कहा कि अब तो हमें पैसा कमाने वाली पत्नी चाहिए। हम उसकी जिम्मेदारी लेने तैयार ही नहीं है। यही स्थिति लड़कियों को लेकर भी है। वो अपने बायोडाटा में खुलेआम ओकेजनली ड्रिंक करने की बात भी करती है। ऐसे में नैतिकता कहां है और संस्कार कहां। हमें अपनी प्राचीन शिक्षा पद्धति और गुरुकुल की ओर लौटना होगा। जो हमें आसन्न विपदा से न केवल बचाते हैं, बल्कि सावधान रहने और तैयारी करने का अवसर प्रदान करते हैं। दूसरी ओर विदेशों की शिक्षा अनुभव पर आधारित है। जबकि हमारी शिक्षा सिद्ध होती है।

आचार्य धनंजय शास्त्री ने कहा कि हमारे समाज से लेकर परिवार तक में संस्कारों के क्षरण और बढ़ती विकृति की एकमात्र वजह है हमारी धर्म से बढ़ती दूरी। आधुनिक जीवनशशैली में तमाम समस्याओं, तनावों और बिखरते रिश्ते की वजह संस्कारों की उपेक्षा है। उन्होंने कहा कि हमारी तुलना में जैनियों, मारवाडियों की जीवनशैली काफी अनुशासित और बेहतर है। इसके पीछे भी उनके परिवारों का संस्कारी होना ही है। वहां के बच्चे अपने अभिभावकों से धर्म, आध्यात्म, संस्कार से लेकर व्यापार के गुण तक सीखते हैं, जबकि अब तो हमारे यहां कई मामलों में बच्चे ही हमें सिखाने लगते हैं। आचार्य ने स्पष्ट कहा कि रिश्तों में मर्यादा होनी चाहिए। पिता अपने पुत्र का कभी भी दोस्त नहीं हो सकता। माता- पिता, सास-ससुर, भाई- भाभी, देवर- ननद से मेल- मुलाकात में इसी मर्यादा का पालन होना चाहिए। आचार्य ने कहा कि खानपान में भी हमारे वेद मार्गदर्शन देते हैं। पहले हम खाने में दही, मही का उपयोग करते थे, तो हमारी पाचन क्रिया अच्छी होती थी। अब दही उपयोग भी करते हैं, तो पैकेट वाला। जिसमें सीमित मात्रा में ही बैक्टिरिया होती है। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी से और मिट्टी के बर्तन में जमने वाला दही सर्वोत्तम होता है और उसमें शरीर के लिए लाभदायक बैक्टिरिया सर्वाधिक होते है।

प्रोजेक्ट तेजस : सीआरपीएफ जवानों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रोजेक्ट तेजस के अंतर्गत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के 23 जवानों को डीजल जनरेटर सेट की मरम्मत एवं रखरखाव का विशेष कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा तथा कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में यह 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला प्रशासन रायपुर एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), सड्डू, रायपुर के संयुक्त सहयोग से शासकीय आईटीआई सड्डू में 08 सितंबर से 13 सितंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण में आईटीआई के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा डीजल जनरेटर सेट के संरचना, संचालन, सामान्य खराबियों की पहचान तथा समय-समय पर किए जाने वाले रखरखाव संबंधी तकनीकी जानकारी दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य जवानों को तकनीकी दक्षता प्रदान करना है, ताकि वे अपने कार्यस्थलों पर डीजल जनरेटर सेट के संचालन, मरम्मत एवं रखरखाव में आत्मनिर्भर बन सकें। देश की सेवा और अधिक कुशलता से कर सकें।

कर्मचारियों को मिल रहा डिजिटल दक्षता का प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप 'प्रोजेक्ट दक्ष' अब जिले के शासकीय कार्यों को नई पहचान और गति प्रदान कर रहा है। इस अभियान से अधिकारी-कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। आज कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ मल्टीलेवल पार्किंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विभाग के शेष जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारियों शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट, ईमेल एवं अन्य आवश्यक ऑनलाइन टूल्स की जानकारी दी गई। प्रोजेक्ट दक्ष का प्रमुख उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। इससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली और अधिक सरल, पारदर्शी एवं स्मार्ट बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव के लिए मंडल रेल प्रबंधक का तिलक लगाकर किया अभिनंदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रेल प्रबंधक दयानंद द्वारा दाधापारा से रायपुर के मध्य निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जब वह हथबंद स्टेशन पर उतरे तो दैनिक यात्रियों ने छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के ठहराव के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और तिलक लगाकर अभिनंदन किया। दैनिक यात्रियों ने रेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया एवं छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का हथबंद स्टेशन पर ठहराव होने से दैनिक यात्रियों ने बताया कि दैनिक जीवन में परिवार को अधिक समय देने के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली लगभग 52 ट्रेनों का विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है इसी कड़ी में रायपुर रेल मंडल के बिल्हा रेलवे स्टेशन पर बिलासपुर नागपुर इंटरसिटी, सारनाथ, शालीमार एवं शिवनाथ एक्सप्रेस को ठहराव दिया गया है। छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का ठहराव हथबंद में दिया गया है, एलटीटी शालीमार एक्सप्रेस का ठहराव देवबलोदा चरौदा में दिया गया है। 1 सितंबर को पहली बार हथबंद रेलवे स्टेशन पर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के रुकने पर दैनिक यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भव्य स्वागत किया था स्थानीय नागरिकों ने उक्त स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव से नौकरीपेशा लोगों को, उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए रायपुर शहर आने वाले युवाओं को, व्यापार के सिलसिले में आने जाने वाले लोगों के लिए बहुत अच्छा हो गया हैं।

प्रोजेक्ट दधीचि : सेवानिवृत्त स्वास्थ्य पर्यवेक्षक भरतराम ने लिया संपूर्ण देहदान का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मैं मरणोपरांत मेडिकल के छात्र-छात्राओं के परिक्षण में काम आ सकूं इस आशा के साथ सेवानिवृत्त स्वास्थ्य पर्यवेक्षक भरतराम साहू ने प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत संपूर्ण देहदान का संकल्प लेकर समाज के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिले में प्रोजेक्ट दधीचि का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत आमजन आगे आकर अपनी भागीदारी दे रहे है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने श्री साहू को इस मानवीय निर्णय के लिए शॉल तथा प्रेरक पुस्तक देकर एवं अपर कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन (आईएएस) ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। श्री साहू ने कहा कि मैं मरणोपरांत अपना शरीर दान कर रहा हूँ जिससे मेडिकल की छात्र-छात्राएं के परिक्षण में मेरा देह काम आ सके। इसलिए मैं अपना देहदान कर रहा हूं आप सब भी आएं और जिला प्रशासन की पहल प्रोजेक्ट दधिची से जुड़े और अपना देहदान और अंगदान करें।

श्री साहू ने कहा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान शासन के विभिन्न अभियान जैसे पोलियो अभियान परिवार कल्याणकारी, क्षत्र नियंत्रण मलेरिया उन्मूलन, चेचक उन्मूलन, शासन द्वारा लक्ष्य दिया जाता था तन, मन, धन से पूरा करते रहे। श्री साहू ने बताया कि मैं एमबीबीएस के छात्रों को ट्रेनिंग हेतु गाड़ी में लेकर धरसीवां जाता था तथा प्राथमिक स्वास्थ्य के अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र के अन्य स्टाफके साथ महामारी इत्यादि के बारे में ट्रेनिंग दिया करता था। आज भी मेडिकल कॉलेज के छात्रों से मेरा बहुत लगाव है इसलिए मैं मरणोपरांत मेरा शरीर दान कर रहा हूं जिससे मेडिकल छात्र एवं छात्राओं के पढ़ाई में प्रशिक्षण हेतु काम आ सके। कलेक्टर डॉ सिंह के मार्गदर्शन में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि अब तक 38 लोग अंगदान एवं देहदान के माध्यम से जीवनदान का प्रतीक बन चुके हैं। इसका उद्देश्य समाज में अंगदान और देहदान को लेकर जागरूकता फैलाना और भ्रांतियों को दूर करना है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने आमजनों से अपील की कि वे भी इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाएं और जरूरतमंदों के लिए जीवन की नई उम्मीद बनें। इस मौके पर अपर कलेक्टर (आईएएस) सुश्री नम्रता जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वाहबिज दोराबजी को स्वाइप कल्चर से लगता है डर, बताया खुद का रिलेशनशिप स्टेटस

टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी का 2021 में एक्टर विवियन डीसेना से तलाक हुआ था। विवियन तो अपनी लाइफ में आगे बढ़ गए हैं, लेकिन उनकी पूर्व पत्नी वाहबिज दोराबजी का रिलेशनशिप स्टेटस क्या है, यह फैंस जानना चाहते हैं।

हाल ही में अभिनेत्री वाहबिज दोराबजी ने अपने रिलेशनशिप से लेकर करियर तक के बारे में खुलकर बातें की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें स्वाइप कल्चर से क्यों डर लगता है और वो लाइफ में अब कैसा पार्टनर चाहती हैं। जब वाहबिज दोराबजी से पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं, तो अभिनेत्री ने बताया कि वह इस समय किसी को डेट नहीं कर रही हैं।

उन्होंने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के प्यार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो। मुझे आजकल के स्वाइप कल्चर से बहुत डर लगता है।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए वाहबिज दोराबजी ने कहा, मैंने पहली बार प्यार की एक कहानी में अभिनय किया था, मुझे ठीक से साल भी याद नहीं, शायद यह 2011 के आसपास था। एक एक्ट्रेस के तौर पर, तब से मैं काफी आगे बढ़ी हूं। मजेदार बात यह है कि मैं कभी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थी। मैं असल में एक माडल बनना चाहती थी। मैं पुणे वापस नहीं जाना चाहती थी। एक के बाद एक चीजें होती गईं और मैंने आडिशन देना शुरू कर दिया। बाकी तो इतिहास है। वह शो हुआ और मुझे एक्टिंग से प्यार हो गया। खुशकिस्मती से, वह सुपरहिट साबित हुआ और तब से मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

टीवी इंडस्ट्री के बिजी शेड्यूल पर भी उन्होंने बात की। वाहबिज दोराबजी ने अपनी राय रखते हुए कहा, टेलीविजन बहुत ही डिमांडिंग इंडस्ट्री है। जब आप इस दुनिया में आते हैं तो आपको पता होता है कि आप क्या करने जा रहे हैं। कभी-कभी प्रसारण का दबाव होता है और आप अपने प्रोडक्शन को कम नहीं कर सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा शरीर इतना दबाव नहीं झेल पाता। मेरा मानना है कि आज की दुनिया को एक संतुलित और समग्र जीवनशैली की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर काम का समय सीमित कर दिया जाए, तो कलाकारों के अभिनय में निखार आएगा, वे स्वस्थ रहेंगे, और उत्पादकता भी बढ़ेगी। इससे सबको फायदा होगा।

नई शुरुआत को लेकर एक्साइटेड है रीम शेख

रीम अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, नए चैप्टर की शुरुआत। अपनी पोस्ट में ही रीम लिखती हैं, गर्म काफी, गुलाब के फूल और नई शुरुआत पसंद है। बताते चलें कि 8 सितंबर को रीम शेख ने अपना जन्मदिन मनाई।

इस बात को लेकर ही वह पोस्ट कर रही हैं। जन्मदिन पर वह जिंदगी के एक नए चैप्टर की शुरुआत करेंगी। रीम शेख के फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स ने भी एक्ट्रेस को एडवांस में बर्थ डे विश किया है। रीम शेख के करियर फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह रियलिटी शो लाफ्टर शेफ 2 में नजर आईं। रीम शेख इस साल एक वेब सीरीज द फर्जी लव स्टोरी में भी नजर आ चुकी हैं।

उन्होंने 6 साल की उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जब उन्हें इमेजिन टीवी के धारावाहिक, देवी नीर भरे तेरे नैना में मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया। इस भूमिका के लिए उन्हें 2010 में न्यू टैलेंट पुरस्कार भी मिला था। तब से उन्होंने कई टीवी धारावाहिकों में अभिनय किया है, विशेषकर चक्रवर्ती अशोक सम्राट में कौरवाकी के रूप में। वह विभिा उत्पादों के लिए 100 से अधिक टीवी विज्ञापनों में भी दिखाई दी है। रीम ने सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार श्रेणी में कुछ पुरस्कार भी जीते हैं। उनकी पहली फिल्म, गुल मक्का, सबसे कम उम्र की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई की बायोपिक है।

2018 में, वह कलर्स टीवी के लोकप्रिय शो तू आशिकी में सानया सेठ के रूप में, और साथ ही ज़ी टीवी के धारावाहिक, तुझसे है राब्ता में भी मुख्य भूमिका में नजर आयी, दूसरे वाले के लिए उन्हें जी ऋषि नया सदस्य पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

एक्ट्रेस अवनीत कौर ने दिखाया बोल्ड अंदाज, फैंस हुए घायल

एक्ट्रेस अवनीत कौर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म लव इन वियतनाम को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। सितंबर में रिलीज होने वाली इस फिल्म का हाल ही में ट्रेलर रिलीज किया गया। अवनीत कौर की इस फिल्म का ट्रेलर काफी पसंद किया जा रहा है। इसी बीच अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड झलक दिखाकर फैंस का ध्यान खींचा है। उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं जो तेजी से वायरल हो रही हैं। अवनीत कौर की अदाओं देखकर लोगों ने रिएक्शन देना शुरू कर दिया। अवनीत कौर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर की है। अवनीत कौर ने हमेशा की तरह एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज से अपने तमाम चाहने वाले फैंस को आकर्षित किया है।

अवनीत कौर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान एक से बढ़कर एक कातिलाना अदाओं से फैंस को घायल कर दिया है। अवनीत कौर के खुले बाल उनकी खूबसूरती को बढ़ा रहे थे। अवनीत कौर ने येलो कलर के गाउन में अपना कर्वी फिगर फ्लान्ट किया है। अवनीत कौर ने गाउन का स्ट्रिप खिसकाकर पोज दिए और सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। अवनीत कौर के बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। अवनीत कौर का ग्लैमरस अंदाज फैंस को पसंद आ रहा है और वह जमकर प्यारे रिएक्शन दे रहे हैं।

अवनीत कौर को लेकर एक फैन ने लिखा है, तुम्हारी अदाओं की बात ही अलग है। एक फैन ने लिखा है, हाटनेस ओवरलोडेड। एक फैन ने लिखा है, उफ्फ ये खूबसूरती। अवनीत कौर की फिल्म लव इन वियतनाम सिनेमाघरों में 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अवनीत कौर के साथ एक्टर शांतनु माहेश्वरी नजर आने वाले हैं। अवनीत कौर के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने टीवी से एक्टिंग शुरू की थी। इसके बाद अवनीत कौर ने फिल्मों में काम करना शुरू किया और आज वह काफी पापुलर हो चुकी हैं।

उर्मिला मातोंडकर ने रंगीला के 30 साल पूरे होने का मनाया जश्न, जमकर किया डांस

राम गोपाल वर्मा की फिल्म रंगीला बालीवुड की कालजयी फिल्मों में से एक है। इसमें आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्राफ की तिकड़ी नजर आई थी। यह फिल्म 8 सितंबर, 1995 को रिलीज हुई थी और यह बाक्स आफिस पर सुपरहिट साबित हुई। रंगीला ने रिलीज के 30 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उर्मिला ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह याई रे याई रे गाने पर डांस करती दिख रही हैं।

उर्मिला ने वीडियो साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, रंगीला, सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, यह एक अहसास था और आज भी है। इसमें खुशी, उम्मीद, सपने, संघर्ष जैसी कई बातें शामिल थीं, यह जिंदगी का एक जश्न था। हर दृश्य हमें मासूमियत भरी दुनिया में ले जाता है। इस फिल्म से एक मासूम लड़की बड़े पर्दे पर आती है और लोगों के दिलों पर छा जाती है। आज से 30 साल पहले रंगीला से आपका परिचय हुआ था।

उर्मिला ने आगे लिखा, मुझे यकीन है कि आज भी इसमें आपको पहले वाले वक्त में वापस ले जाने की ताकत है। मुझे अपने जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए। इतने प्यार से गले लगाने के लिए और उस मुकाम पर पहुंचाने के लिए शुक्रिया। रंगीला की बात करें तो इस फिल्म ने दुनियाभर में 33.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि इसका बजट 8 करोड़ रुपये था। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

त्रिशा कृष्णन द्वारा 'हॉट' कहे जाने पर कमल हासन ने दी अनमोल प्रतिक्रिया

त्रिशा कृष्णन और कमल हासन हाल ही में दुबई में नजर आए। दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने 25 साल के करियर के लिए सम्मानित होने के लिए मंच पर आते ही, त्रिशा कृष्णन ने कमल हासन के बारे में एक मजेदार टिप्पणी की, और कमल हासन की प्रतिक्रिया अनमोल थी। त्रिशा कृष्णन ने कमल हासन को 'हॉट' कहा दुबई में मंच की शोभा बढ़ाते हुए, होस्ट ने त्रिशा कृष्णन से पूछा कि क्या वह कमल हासन से कुछ कहना या पूछना चाहेंगी। जवाब में, लियो स्टार ने कहा, कमल सर, आप हमेशा ऐसे कैसे दिखते हैं? इतने हॉट इतने आकर्षक। हर कोई यही पूछता है, मुझे लगता है यहाँ हर किसी के मन में यही विचार आया होगा।

उसकी मीठी बातें सुनकर, कमल हासन की आँखें चौड़ी हो गईं, और एक शालीन मुस्कान के साथ, उन्होंने अपनी सीट से ही उसे प्रणाम किया और शिवकार्तिकेयन के साथ हँस पड़े। कमल हासन और त्रिशा कृष्णन की हालिया फिल्म कमल हासन और त्रिशा कृष्णन हाल ही में फिल्म ठग लाइफ में साथ नजर आए थे। मणिरत्नम द्वारा निर्देशित, इस गैंगस्टर एक्शन ड्रामा को निर्देशक और कमल हासन ने मिलकर लिखा था। यह फिल्म दिल्ली के एक माफिया सरगना रंगाराया शक्तिवेल की कहानी पर आधारित है। अपने शुरुआती दिनों में, उसके और एक प्रतिद्वंद्वी गिरोह के बीच हुई गोलीबारी में एक निर्दोष व्यक्ति की मौत हो गई, जिसके बाद शक्तिवेल ने पीड़ित के बेटे अमरन को गोद ले लिया।

सालों बाद, शक्तिवेल अंडरवर्ल्ड में एक शक्तिशाली व्यक्ति बन गया, और अमरन उसका भरोसेमंद दाहिना हाथ बन गया। हालाँकि, जब उनके बीच दुश्मनी पनपने लगती है, तो चीजें एक गंभीर मोड़ ले लेती हैं, जो अंतत: एक बड़े संघर्ष का कारण बनती है। दोनों अपने टूटे हुए रिश्ते से कैसे जूझते हैं और क्या उन्हें कोई समाधान मिलता है, यही कहानी का सार है। कमल हासन और सिलंबरासन टीआर की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म में त्रिशा कृष्णन, अभिरामी, जोजू जॉर्ज, नासर और कई अन्य कलाकार थे।

आखिर क्यों होते हैं शरीर पर फोड़े और फुंसी? जानें इसके पीछे की सबसे बड़ी तीन वजह

फोड़े और फुंसी होना एक बहुत ही आम बात है, जिससे अक्सर कुछ लोग परेशान रहते हैं। यह समस्या सामान्य तौर पर छोटे बच्चों में देखने को मिलती है। शरीर पर फोड़ा होना एक सामान्य बात जरूर है, लेकिन अगर समय रहते हैं ध्यान न दिया तो यह गंभीर हो सकता है। फोड़े लाल सूजे हुए और पस से भरे हुए उभार होते हैं जो आपके स्वास्थ्य के बारे में कई महत्वपूर्ण संकेत भी देते हैं।

फोड़े और फुंसी तब बनते हैं जब बैक्टीरिया हमारे रोमछिद्रों में घुस जाते हैं और संक्रमण फैलाते हैं। इस संक्रमण से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया करती है, जिससे सूजन और पस का बनने लगता है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि सिर्फ बैक्टीरिया ही इसके लिए जिम्मेदार नहीं होते। हमारी कुछ आदतें, स्वास्थ्य संबंधी स्थितियां और पर्यावरणीय कारक भी फोड़े-फुंसी के होने का खतरा बढ़ाते हैं। इन कारणों को जानकर और उनसे बचकर हम अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं। आइए जानते हैं इसके पीछे की तीन सबसे बड़ी वजहें।

खराब व्यक्तिगत स्वच्छता

फोड़े और फुंसी का सबसे बड़ा कारण खराब व्यक्तिगत स्वच्छता है। जब हम नियमित रूप से अपने शरीर को साफ नहीं करते हैं, तो त्वचा पर तेल, पसीना और बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं। ये बैक्टीरिया रोमछिद्रों में घुसकर संक्रमण पैदा करते हैं, जिससे फोड़े-फुंसी हो जाते हैं। इसलिए, नियमित रूप से स्नान करना और त्वचा को साफ रखना बहुत जरूरी है।

कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली

अगर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है, तो आपका शरीर बाहरी बैक्टीरिया और कीटाणुओं से ठीक से लड़ नहीं पाता। डायबिटीज के मरीज, या ऐसे लोग जो लंबे समय से किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, उनमें फोड़े-फुंसी होने का खतरा अधिक होता है। स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाया जा सकता है।

पाचन क्रिया की वजह से होते हैं फोड़ें

जब हमारी पाचन क्रिया सही से काम नहीं करती, तो शरीर भोजन से विषाक्त पदार्थों को पूरी तरह से बाहर नहीं निकाल पाता। ये विषाक्त पदार्थ रक्त में जमा होने लगते हैं और शरीर उन्हें त्वचा के माध्यम से बाहर निकालने की कोशिश करता है।

इस प्रक्रिया में ये विषाक्त पदार्थ त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं, जिससे संक्रमण होता है और फोड़े या फुंसी होने लगते हैं।

हार्मोनल असंतुलन और तनाव

इन तीन प्रमुख कारणों के अलावा एक कारण और है जिसकी वजह से फोड़े और फुंसी होते हैं, और वो है हार्मोनल असंतुलन। खासकर किशोरावस्था के दौरान, मुंहासे और फुंसी का एक प्रमुख कारण होता है। इसके अलावा तनाव भी शरीर में कोर्टिसोल जैसे हार्मोन को बढ़ाता है, जो त्वचा में तेल उत्पादन को बढ़ा सकता है, जिससे रोमछिद्र बंद हो जाते हैं और फोड़े-फुंसी हो सकते हैं। तनाव को नियंत्रित करके इस समस्या को कम किया जा सकता है।

बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां

फोड़े-फुंसी से बचने के लिए, अपनी त्वचा को हमेशा साफरखें। संतुलित आहार लें, और खूब पानी पिएं। अगर आपको बार-बार यह समस्या हो रही है, तो डॉक्टर से सलाह लें, क्योंकि यह किसी अंदरूनी बीमारी का संकेत हो सकता है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दुबई में यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में ऐतिहासिक यूपीआई-यूपीयू एकीकरण का शुभारंभ किया

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज दुबई में 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में यूपीआई-यूपीयू एकीकरण परियोजना का अनावरण किया। यह दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए सीमा पार प्रेषण में बदलाव लाने के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। डाक विभाग (डीओपी), एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) द्वारा विकसित यह पहल भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) को यूपीयू इंटरकनेक्शन प्लेटफ़ॉर्म (आईपी) के साथ एकीकृत करती है। इससे डाक नेटवर्क की पहुंच यूपीआई की गति और सामर्थ्य के साथ जुड़ जाती है।

श्री सिंधिया ने इसे एक तकनीकी लॉन्च से कहीं बढ़कर, एक सामाजिक समझौता बताया। उन्होंने कहा, डाक नेटवर्क की विश्वसनीयता और यूपीआई की गति का मतलब है कि सीमा पार के परिवार तेज़ी से, सुरक्षित और बहुत कम लागत पर पैसा भेज सकते हैं। यह इस बात की पुष्टि करता है कि नागरिकों के लिए बनाए गए सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को सीमाओं के पार जोड़कर मानवता की बेहतर सेवा की जा सकती है।

उन्होंने एक आधुनिक, समावेशी डाक क्षेत्र के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। यह चार पहलुओं 1. निर्बाध डेटा-संचालित लॉजिस्टिक्स के माध्यम से जुड़ना; 2. प्रत्येक प्रवासी और डिजिटल उद्यम को सस्ती डिजिटल वित्तीय सेवाएं प्रदान करना; 3. एआई, डिजीपिन और मशीन लर्निंग के साथ आधुनिकीकरण करना; और 4. यूपीयू समर्थित तकनीकी सेल के साथ दक्षिण-दक्षिण साझेदारी के माध्यम से सहयोग करना पर आधारित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्री मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न और विकसित भारत की दिशा में काम कर रहा भारतीय डाक अपने व्यापक दायरे और समावेशन का एक सशक्त उदाहरण है। सिंधिया ने कहा, आधार, जनधन और भारतीय डाक भुगतान बैंक के साथ, हमने 56 करोड़ से ज़्यादा खाते खोले हैं, जिनमें से ज़्यादातर महिलाओं के नाम पर हैं। भारतीय डाक ने पिछले साल 90 करोड़ से ज़्यादा पत्र और पार्सल पहुंचाए। यह समावेशन का वह व्यापक दायरा और भावना है जिसे हम वैश्विक मंच पर लाते हैं।

श्री सिंधिया ने इस चक्र के दौरान ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान पर विशेष ध्यान देते हुए प्रौद्योगिकी को नवाचार में बदलने के लिए 10 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के आदर्श वाक्य को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने दोहराया कि भारत संसाधनों, विशेषज्ञता और मैत्री के साथ कैसे तैयार है।

श्री सिंधिया ने यूपीयू की प्रशासन परिषद और डाक संचालन परिषद के लिए भारत की उम्मीदवारी की भी घोषणा की। इससे वैश्विक डाक समुदाय के लिए एक जुड़े हुए, समावेशी और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। उन्होंने दुबई में 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में अपने भाषण का समापन करते हुए कहा, भारत आपके पास प्रस्तावों के साथ नहीं, बल्कि साझेदारी के साथ आता है। हम लचीलेपन में विश्वास करते हैं, ऐसे अंतर-संचालनीय समाधानों को सक्षम करते हैं जो महंगे विखंडन से बचते हैं, और विश्वास में, भुगतान, पहचान, पते और रसद को जोड़ते हैं ताकि वैश्विक वाणिज्य निर्बाध हो।

जीएसटी में बदलाव से राज्य और देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति: मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में राज्य के विभिन्न व्यावसायिक संघों के प्रतिनिधियों ने भेंट कर जीएसटी में किए गए सुधारों के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जीएसटी ने न केवल व्यापार जगत को सशक्त किया है, बल्कि पारदर्शिता और कर संग्रहण में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था भारत को वैश्विक व्यापार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की कर व्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा सुधार माने जाने वाला वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राज्य और देश के व्यापार जगत को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। जीएसटी में किए गए हालिया सुधारों से राज्य के उद्योगों और व्यापारियों के साथ-साथ आमजन को भी महत्वपूर्ण राहत मिली है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे विकास कार्यों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होंगे। यह सुधार भविष्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित राज्य के विभिन्न व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में 10 हजार 538 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण पूर्ण 16 हजार से ज्यादा शिक्षक व प्राचार्य हुए समायोजित

अब कोई भी विद्यालय शिक्षक-विहीन नहीं, एकल-शिक्षकीय विद्यालयों की संख्या घटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण निर्देशों के प्रावधानों के तहत राज्य में व्यापक युक्तियुक्तकरण की कार्यवाही की गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत एक ही परिसर में संचालित 10,372 शालाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में एक किलोमीटर से कम दूरी पर और शहरी क्षेत्रों में 500 मीटर से कम दूरी पर संचालित 166 शालाओं को मिलाकर कुल 10,538 शालाओं का युक्तियुक्तकरण किया गया है। इस बड़े कदम के फ्लस्वरूप 16,165 शिक्षकों एवं प्राचार्यों का समायोजन किया गया है। अब प्रदेश का कोई भी विद्यालय शिक्षक-विहीन नहीं है।

उल्लेखनीय है कि पहले जहां 5,936 विद्यालय एकल-शिक्षकीय थे, वहीं युक्तियुक्तकरण के बाद केवल 1,207 प्राथमिक शालाएँ शिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण एकल-शिक्षकीय रह गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन विषयवार किया गया है। यदि किसी संस्था में किसी एक विषय का शिक्षक अतिशेष पाया गया, किन्तु उसी संस्था में सेटअप के आधार पर किसी अन्य विषय का पद रिक्त था, तो ऐसे अतिशेष शिक्षक का युक्तियुक्तकरण करते हुए आवश्यकता के आधार पर रिक्त विषय के पद पर उस विषय के शिक्षक की पदस्थापना की गई है।

युक्तियुक्तकरण निर्देशों के अंतर्गत, शालाओं में पदस्थापना तिथि के आधार पर अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन किया गया है। इस दौरान विषय, विकलांगता तथा परिवीक्षा अवधि जैसे कारकों का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा, अतिशेष शिक्षकों की गणना उनकी सेवा पुस्तिका में दर्ज मूल विषय के आधार पर की गई है। जिन शिक्षकों ने युक्तियुक्तकरण के पश्चात कार्यमुक्त होकर नवीन पदस्थापना स्थल में कार्यभार ग्रहण कर लिया है, उनके वेतन आहरण की कार्यवाही पूर्व पदस्थ संस्था से प्राप्त अंतिम वेतन प्रमाणपत्र के आधार पर की जा रही है। इसी तरह, युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न शिक्षकों से प्राप्त अभ्यावेदन (जिनमें न्यायालयीन प्रकरण भी सम्मिलित हैं) पर शासन गंभीरता से परीक्षण कर रहा है। इन प्रकरणों की जांच संभागीय आयुक्त की समिति, संचालनालय स्तरीय समिति एवं शासन स्तरीय समिति में की जा रही है और शीघ्र ही इनका निराकरण कर लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से टेकापार के रमेश कुमार उइके बने ऊर्जादाता, बिजली बिल हुआ शून्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर कर दिया है। इसी योजना के तहत बालोद जिले के ग्राम टेकापार निवासी श्री रमेश कुमार उइके ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सौर सिस्टम स्थापित कराकर न केवल अपने बिजली बिल को शून्य कर लिया है, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर ऊर्जा उत्पादक की भूमिका भी निभा रहे हैं।

श्री उइके ने बताया कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल काफी अधिक आता था, जो उनके लिए आर्थिक बोझ का कारण बनता था। लेकिन प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने सौर सिस्टम लगाने का निर्णय लिया। अब उनके घर की पूरी ऊर्जा जरूरत सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है और बची हुई बिजली से उन्हें अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो रही है। वे उत्साहपूर्वक कहते हैं कि यह योजना मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आज मेरा बिजली बिल शून्य हो गया है और मैं अतिरिक्त बिजली बेचकर आय अर्जित कर रहा हूँ। पहले हम केवल बिजली उपभोक्ता थे, अब ऊर्जा उत्पादक बन गए हैं। यह शासन की दूरदर्शी और प्रशंसनीय पहल है, जो हमारी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ पर्यावरण को भी स्वच्छ बना रही है। उन्होंने गांव और आसपास के लोगों से भी अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाएँ और अपने घरों पर सौर सिस्टम स्थापित करें।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे सौर सिस्टम लगवाने की लागत में भारी कमी आई है। योजना का उद्देश्य हर घर को सस्ती, स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराना है।

रमेश कुमार उइके ने योजना के सफ्ल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह वास्तव में एक क्रांतिकारी पहल है, जो आम उपभोक्ताओं को 'ऊर्जादाता' बना रही है और देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

पठियापाली स्कूल में शिक्षकों की पदस्थापना से पढ़ाई हुई आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले के करतला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पठियापाली की प्राथमिक शाला में लंबे समय से शिक्षक की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। विद्यालय एकलशिक्षकीय होने से एक ही समय पर सभी कक्षाओं को पढ़ाना कठिन हो जाता था। कई बार विद्यार्थियों को खाली बैठना पड़ता था या फ़िर सभी कक्षाओं के बच्चों को एक साथ पढ़ाना पड़ता था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत अतिशेष शिक्षकों का समायोजन किया गया, जिससे सैकड़ों विद्यालयों को लाभ मिला है। इसी क्रम में पठियापाली प्राथमिक शाला में भी एक अतिरिक्त शिक्षिका की पदस्थापना की गई है। अब विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार हुआ है और विद्यार्थियों को नियमित रूप से कक्षाएं मिल रही हैं।

प्रधानपाठक जवाहर सिंह ने बताया कि विद्यालय की कुल दर्ज संख्या 32 है, जिनमें अधिकांश विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति परिवारों से हैं। पूर्व में यह विद्यालय एकलशिक्षकीय था, जिसके कारण पढ़ाई कराने में दिक्कत आती थी। अब यहाँ शिक्षिका सविता पैंकरा की पदस्थापना हुई है। उनके आने से विद्यार्थियों की पढ़ाई सहज और सुचारू हो गई है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी नई शिक्षिका के आने पर खुशी व्यक्त की है। कक्षा पाँच के छात्र रुद्र प्रताप सिंह, कक्षा चौथी की अनुष्का और कक्षा पाँचवी की सौम्या कंवर ने बताया कि मैडम हमें बहुत अच्छे तरीके से पढ़ाती हैं। खेल-खेल में हिंदी और अंग्रेजी की वर्णमाला, जोड़-घटाना, पहाड़े और अन्य विषय सीखने को मिलते हैं। वे हमें नैतिक शिक्षा भी देती हैं।

सौर ऊर्जा से रायगढ़ जिले के 300 से अधिक घर जगमगाए

पीएम सूर्य घर का लाभ उठाने 1600 से अधिक लोगों ने किया आवेदन, हर महीने हजारों की हो रही बचत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना रायगढ़ जिले के उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना से लाभान्वित परिवार अब केवल ऊर्जा उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादक और ऊर्जा दाता के रूप में भी अपनी नई पहचान बना रहे हैं। जिले में अब तक 300 से अधिक घरों की छतों पर सौर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं 1670 लोगों ने योजना का लाभ लेने आवेदन किया है, जिनमें से 751 उपभोक्ताओं ने वेंडर का चयन भी कर लिया है। विभागीय जानकारी के अनुसार, 200 से अधिक हितग्राहियों को सब्सिडी की राशि उनके बैंक खातों में जमा कर दी गई है।

योजना से लाभान्वित हितग्राही बताते हैं कि इससे उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार हुआ है। लोहरसिंह गांव के ईश्वर प्रसाद नायक ने अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर प्लांट स्थापित किया। अप्रैल माह में उनके प्लांट से 267 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें 577 रुपए की छूट मिली और केवल 50 रुपए का बिल चुकाना पड़ा। मई में उनकी संपूर्ण बिजली खपत सौर ऊर्जा से पूरी हुई। इसी प्रकार रायगढ़ शहर के प्रदीप मिश्रा और प्रदीप पटेल सहित अनेक हितग्राहियों ने योजना का लाभ उठाते हुए अपने घरों पर सौर पैनल लगाए। उनका कहना है कि यह योजना केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भरता और मानसिक संतोष का भी अनुभव कराती है।

सरकार सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। 1 किलोवॉट क्षमता का प्लांट औसतन 120 यूनिट प्रतिमाह उत्पादन होता है। केन्द्र सरकार द्वारा इसके लिए 30 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 15 हजार रूपए इस प्रकार कुल 45 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाती है। 2 किलोवॉट क्षमता का प्लांट लगाने पर औसतन 240 यूनिट प्रतिमाह विद्युत उत्पादन होता है। इस पर कुल 90 हजार रूपए की सब्सिडी में केंद्र द्वारा 60 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए शामिल है। इसी तरह 3 किलोवॉट क्षमता का सौर ऊर्जा प्लांट लगाने से औसतन 360 यूनिट प्रतिमाह विद्युत उत्पादन होता है। इस प्लांट के लगाने वाले हितग्राही को कुल एक लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी मिलती है, जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए दिए जाते हैं। हितग्राही को सौर प्लांट स्थापना के लिए ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे आसानी से सौर प्लांट स्थापित कर सकें।

पीएम आवास योजना की सौगात से कोमल को मिली नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीब और जरूरतमंद परिवारों के सपनों को साकार कर रही है। इस योजना ने जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत बलौदा के ग्राम पंचायत पहरिया निवासी कोमल प्रसाद तिवारी को नई जिंदगी और नई पहचान दी है।

पुजारी के रूप में आजीविका चलाने वाले कोमल तिवारी पहले मिट्टी के कच्चे घर में अपने परिवार के साथ रहते थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए एक सपना ही था, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने इस सपने को हकीकत में बदल दिया।

वर्ष 2024-25 में योजना के तहत 1 लाख 20 हजार रुपये की स्वीकृत राशि उन्हें प्राप्त हुई। इसके सहयोग से उन्होंने अपने परिवार के लिए मजबूत और सुरक्षित पक्का घर बनाया। निर्माण कार्य में महात्मा गांधी नरेगा से भी मजदूरी की राशि मिली, जिससे उन्हें अतिरिक्त सहारा मिला। आज कोमल तिवारी का परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है। वे भावुक होकर कहते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना मेरे जीवन का सबसे बड़ा वरदान है। अब हमें न बारिश की चिंता है और न ही किसी असुरक्षा का डर।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

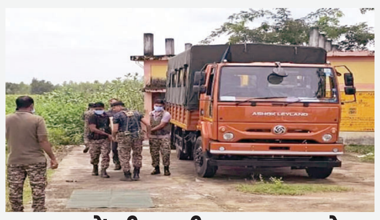

सुकमा में सीआरपीएफ जवान ने की खुदकुशी, सर्विस रायफल से खुद को मारी गोली

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में जवान ने खुद को अपनी ही सर्विस रायफल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का जवान इंजरम कैंप में तैनात था। सोमवार की रात अपनी सर्विस रायफल से खुद को गोली मार ली जिससे जवान की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार रात करीब 10:30 बजे की है। 219वीं बटालियन में तैनात जवान निलेश कुमार गर्ग ने अपनी इंसास रायफल से खुद पर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनकर साथी जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक निलेश ने दम तोड़ दिया था। मृतक जवान मध्य प्रदेश का निवासी था और लंबे समय से इंजरम कैम्प में तैनात था। साथी जवानों के मुताबिक, निलेश ड्यूटी को लेकर सामान्य दिखाई दे रहा था और उसके व्यवहार में कोई विशेष परिवर्तन नहीं देखा गया था। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल, आत्महत्या के पीछे के कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को घर से भगाया और फिर किया दुष्कर्म, युवक गिरफ्तार

जांजगीर। जिले की अकलतरा पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले 19 वर्षीय युवक दीपक गेंदले को गिरफ्तार करके उसे न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है। पुलिस ने मामले में आरोपी दीपक गेंदले के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपी, मुंगेली जिले का रहने वाला है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अकलतरा थाना क्षेत्र के पीड़ित ने बताया कि, उसकी नाबालिग लड़की को कोई बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस खोजबीन में जुटी हुई थी। जांच के दौरान अकलतरा पुलिस ने मुंगेली जिले के बिरगहनी गांव से आरोपी दीपक गेंदले के घर से नाबालिग लड़की को बरामद करके आरोपी दीपक गेंदले को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है।

13 दुकानों को किया सील

बिलासपुर। सालों से किराया जमा नहीं करने वाले शहर के 13 दुकानों को मंगलवार को नगर निगम के अमले ने सील कर दिया है। इनमें से 10 दुकान महिला समृद्धि बाजार की है, और 3 दुकानें बृहस्पति बाजार की है। किराया जमा करने को लेकर इन दुकानदारों को कई बार नोटिस दिया गया था, इसके बावजूद भी इनके द्वारा किराया जमा नहीं किया गया। जिसके बाद निगम कमिश्नर अमित कुमार के निर्देश पर 13 दुकानों को सील कर दिया गया है। गणेश नगर चौक के पास नगर पालिक निगम द्वारा महिला समृद्धि बाज़ार बनाया गया है, जिसमें आबंटित दुकानों के किराये की बकाया राशि 14,55,655 रुपए है।

भिलाई में जन्मदिन पार्टी पर युवक की हत्या, दोस्तों ने पत्थर और ईंट से कुचलकर मार डाला, चार गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नेवई थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात जन्मदिन की पार्टी के दौरान युवक की हत्या हो गई। दरअसल पार्टी के दौरान किक मारने परंपरा शुरू हुई और विवाद इतना बढ़ गया कि पांच दोस्तों ने एक अन्य दोस्त को जमीन पर पटका और ईंट और पत्थर से कुचलकर मार डाला। घटना के बाद सभी फरार हो गए। सूचना मिलने पर देर रात मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना में शामिल दो नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

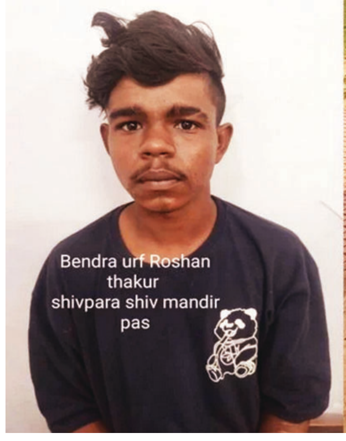

मिली जानकारी के अनुसार शिव मंदिर मरोदा निवासी रोशन कुमार उर्फ बेंद्रा (20) की अपने ही एक दोस्त की बर्थडे पार्टी में हत्या हो गई। पुलिस ने बताया कि रोशन के परिचित नकुल जायसवाल का जन्मदिन था और सरकारी स्कूल परिसर में इसका सेलिब्रेशन हो रहा था। सेलीब्रेशन में करीब 12 दोस्त शामिल थे। बताया जा रहा है कि सेलीब्रेशन के दौरान किक मारने का दौर शुरू हुआ। इस दौरान अचानक दोस्तों के बीच विवाद शुरू हो गया।

रोशन और उसके साथी पार्टी में बर्थडे ब्वाय के साथ मस्ती कर रहे थे और इस बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि हाथापाई होने लगी। देररात इतना विवाद बढ़ा कि रोशन को जमीन पर पटककर उसे पत्थर व ईंट से कुचल दिया गया। इससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। वारदात की सूचना मिलते ही नेवई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो नाबालिगों सहित कुल चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पांचवे आरोपी की तलाश की जा रही है। फ्लिहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

भालू के हमले से महिला गंभीर रुप से घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। जिले के बकरकट्टा जंगल में मंगलवार दोपहर एक महिला पर भालू और उसके दो शावकों ने अचानक हमला कर दिया। इस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे ग्रामीणों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है और वन विभाग की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, संझारी गांव की 40 वर्षीय सुरजौतीन बाई रोज की तरह लकड़ी लेने जंगल गई थीं। दोपहर करीब 2 बजे, जब वे गाताभरी-बकरकट्टा क्षेत्र की झाड़ियों में लकड़ी एकत्र कर रही थीं, तभी एक भालू और उसके दो शावक झाड़ियों से निकल कर उन पर टूट पड़े। भालू ने उन्हें सिर, हाथ और पैरों पर गंभीर चोटें पहुँचाईं। महिला की चीख सुनकर पास में लकड़ी काट रहे ग्रामीण दौड़े और अपनी जान जोखिम में डालकर भालू को खदेड़ा। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को पहले बकरकट्टा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहाँ उनकी हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उन्हें छुईखदान अस्पताल रफर कर दिया।

बकरकट्टा और आसपास के जंगलों में भालू समेत अन्य जंगली जानवरों की गतिविधियाँ लगातार बढ़ रही हैं। उनका आरोप है कि वन विभाग की गश्त कागजी है और सुरक्षा के नाम पर कोई ठोस इंतजाम नहीं किए जा रहे। उनका कहना है कि यदि समय रहते जंगलों में निगरानी और सुरक्षा उपाय लागू किए गए होते तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता था। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि खेतों के आसपास पड़ा कचरा, खुले में रखा अनाज और जंगलों में भोजन की कमी जंगली जानवरों को गांवों की ओर आकर्षित कर रही है। लोग डर के कारण जंगल से लकड़ी और अन्य आवश्यक सामान लाने में असहज महसूस कर रहे हैं। कई बार उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने की गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से माँग की है कि बकरकट्टा सहित जिले के अन्य वनांचल क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सख्त की जाए। जंगलों में गश्त बढ़ाई जाए, ग्रामीणों को जागरूक किया जाए और जंगली जानवरों से निपटने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया दल बनाया जाए। साथ ही, जंगलों के कटाव को रोकने और प्राकृतिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए योजनाएँ लागू की जाएँ। स्थानीय समाज ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि यदि जल्द ही सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो ऐसी घटनाएँ और बढ़ सकती हैं। सुरजौतीन बाई जैसे कई ग्रामीण रोजाना जान का जोखिम उठाकर जंगलों में जाते हैं, जबकि उन्हें पर्याप्त सुरक्षा और सहायता नहीं मिल रही। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर कब तक ठोस कदम उठाता है। फिलहाल, पूरे क्षेत्र में भालुओं के आतंक को लेकर भय का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण सुरक्षा के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं।

खनिजों के अवैध परिवहन कार्रवाई, 5 ट्रैक्टर ट्रॉली वाहन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत आज खनिज विभाग की टीम ने 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहनों को जब्त किया है। ये वाहन बिना वैध अभिवहन पास के साधारण पत्थर का परिवहन कर रहे थे।

कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं उप संचालक, खनिज विभाग के मार्गदर्शन में सीपत, पंधी, देवरी, कौड़िया, सेंदरी, लोफन्दी एवं कछार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कौड़िया क्षेत्र अंतर्गत अवैध रूप से पत्थर का परिवहन करते हुए 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहन पकड़े गए। जब्त किए गए वाहनों को पुलिस थाना सीपत की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग का कहना है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 8 से अधिक वाहन जब्त

धमतरी। जिला प्रशासन द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाया गया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशन में राजस्व विभाग, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीमों ने 6-7 की दरम्यानी रात में जिले में अवैध रेत परिवहन पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर अवैध गतिविधियों पर नकेल कसी है। यह कार्रवाई जिले के दोनर और सेलदीप में की गई है और आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

खनिज अधिकारी एच.डी भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि खनिज एवं खान विकास अधिनियम के अंतर्गत अवैध रेत परिवहन पर 8 (आठ) हाईवा अवैध परिवहन में लिप्त पाए जाने पर जब्त किए गए हैं। उक्त हाईवा

कंपोजिट बिल्डिंग धमतरी में अभिरक्षा में रखा गया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अवैध खनन, रेत के अवैध भंडारण और परिवहन जैसे कार्यों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले में खनिज संसाधनों की सुरक्षा एवं पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने हेतु लगातार निगरानी की जा रही है तथा इस प्रकार की कार्रवाइयाँ आगे भी जारी रहेंगी।' उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध खनन गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। इस प्रकार की सख्त कार्यवाही जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही खनिज संपदाओं के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन की यह पहल न केवल अवैध खनन माफियाओं को चेतावनी है, बल्कि यह भी संदेश है कि जिले की प्राकृतिक संपदाओं की संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही है।

रायपुर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के बेटे से 58 लाख की धोखाधड़ी, अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के बेटे नितिन अग्रवाल से 58 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है। आरोप है कि फेडरल बैंक, जीई रोड शाखा के अधिकारियों ने बिना उनकी अनुमति के उनके बैंक खाते से लाखों रुपए दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिए। घटना की शिकायत आजाद चौक थाने में दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

नितिन अग्रवाल, जो कि स्वर्ण भूमि, मोवा, रायपुर में रहते हैं और रियल एस्टेट का कारोबार करते हैं, ने बताया कि उनका बैंक खाता फेडरल बैंक की जीई रोड शाखा में है। उन्होंने शिकायत में बताया कि 8 सितंबर को उनके खाते से तीन अलग-अलग लेन-देन के माध्यम से पैसे ट्रांसफर किए गए। पहले ट्रांजैक्शन में 29 लाख रुपये, दूसरे में 18 लाख 5 हजार रुपये और तीसरे में 11 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। कुल मिलाकर यह राशि लगभग 58 लाख 5 हजार रुपये बनती है। नितिन के अनुसार, इन लेन-देन के लिए उनसे कोई अनुमति नहीं ली गई

थी, फिर भी बैंक अधिकारियों ने उनके खाते से पैसे निकाल कर दूसरे खातों में भेज दिए।

शिकायत मिलने के बाद आजाद चौक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया कि बैंक अधिकारियों को पैसे ट्रांसफर करने के लिए व्हाट्सएप पर लेटरहेड में निर्देश भेजे गए थे। माना जा रहा है कि यह फर्जी दस्तावेज के आधार पर किया गया साइबर फ्रॉड हो सकता है। हालांकि बैंक प्रबंधन ने इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया है। पुलिस का मानना है कि बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या लापरवाही इस धोखाधड़ी में शामिल हो सकती है। साथ ही, साइबर अपराधियों द्वारा बैंक के लेटरहेड का दुरुपयोग कर धोखा देने का मामला भी जांच के दायरे में है। पुलिस टीम ने बैंक से संबंधित दस्तावेज, ट्रांजैक्शन रिपोर्ट, मोबाइल चैट और डिजिटल सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। साथ ही, जिन खातों में पैसे ट्रांसफर किए गए हैं, उनकी जानकारी लेकर उनके उपयोग का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

नितिन अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि उन्हें लेन-देन की जानकारी तब मिली जब बैंक से अकाउंट स्टेटमेंट मिला। इसके बाद उन्होंने तत्काल बैंक से संपर्क किया और मामले की शिकायत दर्ज कराई। नितिन ने कहा कि यह धोखाधड़ी उनके विश्वास को तोड़ने वाली घटना है और ऐसे मामलों से आम लोगों में भय का माहौल बनता है। बैंक की ओर से अभी तक कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार बैंक प्रबंधन मामले को लेकर सतर्क है और जांच में सहयोग कर रहा है। वहीं, पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि साइबर अपराध से जुड़े सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है। डिजिटल फॉरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि फर्जी लेटरहेड किसने भेजा और किन खातों में राशि ट्रांसफर हुई।

रायपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 100 बदमाश गिरफ्तार, 25 किलो कड़े जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में गणेश विसर्जन के दौरान पुलिस ने एक बड़ी और प्रभावी कार्रवाई करते हुए 100 से अधिक बदमाशों को गिरफ्तार किया। गणेश विसर्जन के मौके पर जहां शहरभर में भव्य झांकियों का आयोजन हो रहा था और श्रद्धालु उत्सव में डूबे थे, वहीं कुछ असामाजिक तत्वों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। ये लोग सार्वजनिक स्थलों पर मारपीट और झगड़े कर शांति भंग कर रहे थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऐसे तत्वों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर अपराध पर कड़ा प्रहार किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार त्योहार के दौरान कुछ जगहों पर असामाजिक तत्वों ने हाथ में पहनने वाले लोहे के कड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल किए और लोगों से मारपीट की। पुलिस की छानबीन में पता चला कि बदमाशों के पास 20 से 25 किलो तक के लोहे के कड़े बरामद किए गए। ये कड़े न केवल सामान्य गहनों के रूप में उपयोग किए जाते थे, बल्कि हमला

करने के लिए हथियार की तरह इस्तेमाल किए जा रहे थे। पुलिस ने बोरी भरकर ये कड़े जब्त किए और आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस मिली जानकारी के अनुसार रायपुर पुलिस ने इस मामले में बड़ी सक्रियता दिखाई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते और नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली केसरी नंदन नायक ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गणेश विसर्जन के दौरान शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई थी। पुलिस ने त्योहार की आड़ में माहौल खराब करने वाले अपराधियों को चिह्नित कर कार्रवाई की।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि त्योहार के दौरान आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। त्योहार जैसे सार्वजनिक आयोजन में शांति बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और इसके लिए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। इस कार्रवाई से शहरवासियों में राहत का माहौल है। त्योहार के दौरान शांति भंग करने वाले अपराधियों को समय रहते गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे आगे किसी बड़ी घटना को रोकना संभव हुआ। पुलिस ने नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित थाने में दें ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

साथ ही, पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि त्योहार में शामिल सभी श्रद्धालु शांति बनाए रखें। पुलिस की पूरी टीम शहरभर में सुरक्षा का जिम्मा संभाले हुए है और किसी भी असामाजिक गतिविधि पर नज़र रखे हुए है। पुलिस का उद्देश्य न केवल अपराधियों को गिरफ्तार करना है, बल्कि आमजन में विश्वास और सुरक्षा का माहौल भी बनाना है। रायपुर पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर प्रशासन ने कहा कि यह अभियान आगामी त्योहारों के लिए एक उदाहरण बनेगा। अपराधियों के खिलाफ चलाए गए। इस अभियान में तकनीकी सहायता, खुफिया नेटवर्क और नागरिकों की जागरूकता को शामिल किया गया। त्योहारों के समय अपराधियों द्वारा हथियार का उपयोग कर हिंसा फैलाने की कोशिशें बढ़ जाती हैं। ऐसे में पुलिस की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया से बड़े नुकसान को रोका जा सकता है।

रायपुर पुलिस ने यह साबित कर दिया है कि त्योहार की आड़ में माहौल खराब करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता को उजागर किया है। साथ ही, यह भी दर्शाया है कि प्रशासन, पुलिस और नागरिक मिलकर त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बना सकते हैं। गणेश विसर्जन के दौरान पुलिस की यह कार्रवाई न केवल अपराधियों के लिए चेतावनी है, बल्कि आमजन के लिए भी सुरक्षा का भरोसा देती है। अंत में, रायपुर पुलिस की तत्परता, समर्पण और योजना ने यह साबित कर दिया है कि त्योहार के दौरान अपराधों पर नियंत्रण संभव है। आने वाले दिनों में प्रशासन शहरवासियों के साथ मिलकर ऐसी व्यवस्था बनाए रखेगा ताकि हर आयोजन शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो।

करंट से एक की मौत, तीन घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर में मंगलवार को होर्डिंग लगाने के दौरान करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक झुलस गए। हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल पैदा कर दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना तब हुई जब बिना अनुमति लिए नगर पंचायत क्षेत्र में होर्डिंग लगाया जा रहा था। बताया गया कि वाड्रफनगर पुलिस चौकी के पास अंबिकापुर-बनारस मेन रोड के किनारे चार युवक विज्ञापन का होर्डिंग लगा रहे थे। मजदूरों ने करीब 20 फीट लंबे लोहे के एंगल में फ्लेक्सी को फिट कर गड्ढा खोदकर होर्डिंग को खड़ा किया। जैसे ही होर्डिंग का ऊपरी हिस्सा 11 हजार KV की हाईटेंशन लाइन से छू गया, जिससे चारों युवक करंट की चपेट में आ गए।

हादसे के तुरंत बाद सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वाड्रफनगर ले जाया गया। डॉक्टरों ने करीं, राजपुर निवासी 21 वर्षीय दीपक राम को मृत घोषित कर दिया। वहीं करीं निवासी सूरज प्रसाद, अनमोल और अमन गंभीर रूप से झुलस गए, जिनका उपचार अस्पताल में जारी है।

घायल युवकों ने पुलिस को बताया कि वे रामानुजगंज क्षेत्र के मुकेश फ्लेक्सी के लिए ठेके पर काम करते हैं और एक होर्डिंग लगाने पर उन्हें 1200 रुपये मजदूरी दी जाती है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है। नगर पंचायत वाड्रफनगर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) जितेन बहादुर पटेल ने बताया कि होर्डिंग लगाने की अनुमति नगर पंचायत से नहीं ली गई थी। साथ ही, नगर क्षेत्र में अन्य होर्डिंग के लिए भी कोई वैध अनुमति प्रदान नहीं की गई है।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए खुला बेहतर शिक्षा का रास्ता: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में अगले शैक्षणिक सत्र से 200 बच्चों को लाभ दिलाने की महत्वपूर्ण घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री ने अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में अगले शैक्षणिक सत्र से 200 बच्चों को लाभ दिलाने की महत्वपूर्ण घोषणामुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक बच्चों के लिए संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने चयनित बच्चों का सम्मान करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ है। श्री साय ने घोषणा की कि अगले शैक्षणिक सत्र से इस योजना का लाभ 200 बच्चों को मिलेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि श्रमिक अनेक समाज के हित के लिए कार्य करता है, परंतु अपने परिवार के लिए बहुत कम समय, संसाधन, ऊर्जा और ध्यान दे पाता है।

उनके भी सपने होते हैं कि उनके घर के बच्चे पढ़-लिखकर बेहतर जीवन जिएँ, ताकि भविष्य में मजदूर का बेटा-बेटी केवल मजदूरी न करे, बल्कि समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील और राजनेता बने इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अंतर्गत श्रमिक बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ में अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारंभ की है।

इसके तहत प्रदेश के श्रमिकों के बच्चों को कक्षा छठवीं से बारहवीं तक श्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त होगी। इनका पूरा खर्च श्रम विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से कार्यक्रम के दौरान निर्माण श्रमिकों एवं उनके बच्चों ने मिलकर योजना का शुभारंभ पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना से अब हम अपने बच्चों के भविष्य को लेकर निश्चिंत हो गए हैं। इस योजना के माध्यम से बच्चों को अच्छी शिक्षा और भविष्य सँवारने का सुनहरा अवसर मिल गया है। हमारे लिए यह एक सपना था, जो अब पूरा हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रमिकों से चर्चा करते हुए कहा कि निर्माण श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना लागू की गई है। योजना के तहत चालू वर्ष में 100 निर्माण श्रमिकों के बच्चों को 14 निजी आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इन विद्यालयों में सीबीएसई और आईसीएसई पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई कराई जाएगी।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज श्रम विभाग के सहयोग से श्रमिक परिवारों के 100 बच्चों का दाखिला प्रदेश के 14 निजी आवासीय विद्यालयों में कराया गया है। सरकार की सोच है कि श्रमिक का बच्चा केवल श्रमिक न रहकर अधिकारी बने और देश की सेवा करे। उन्होंने बताया कि श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग योजना भी संचालित की जा रही है, जिसके निश्चित ही दूरगामी परिणाम सामने आएँगे।

श्रम मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि श्रम विभाग के अंतर्गत तीन मंडल संचालित हैं, जिनमें लगभग 70 से अधिक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा पिछले 20 माह में लगभग 600 करोड़ रुपये का लाभ श्रमिकों को डीबीटी के माध्यम से पहुँचाया गया है। उन्होंने योजना के तहत चयनित बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के संकल्पों को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सुशासन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य में लगभग 30 लाख से अधिक पंजीकृत श्रमिक हैं, जिनके बच्चे अच्छे विद्यालयों में नहीं पढ़ पाते थे। उनके लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना किसी वरदान से कम नहीं है। इस योजना से श्रमिकों के बच्चों को बेहतर विद्यालयों में पढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने चयनित बच्चों एवं अभिभावकों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर श्रम विभाग के सचिव श्री हिम शिखर गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव श्रीमती फरिहा आलम, श्रम कल्याण मंडल के सचिव श्री गिरीश रामटेके सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित: मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान राज्य नीति आयोग, छत्तीसगढ़ द्वारा तैयार सतत विकास लक्ष्य (स्थल) राज्य एवं जिला प्रगति रिपोर्ट 2024 का विमोचन किया। इस अवसर पर मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य उपस्थित थे। यह रिपोर्ट वर्ष 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें राज्य एवं जिला स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में हुई प्रगति का मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2023 में राज्य का कंपोजिट स्कोर 69 था, जो 2024 में बढ़कर 70 हो गया है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की सतत विकास की दिशा में सकारात्मक प्रगति को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए छत्तीसगढ़ सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह रिपोर्ट इस तथ्य का प्रमाण है कि राज्य और जिले स्तर पर किए जा रहे प्रयास सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, ऊर्जा और लॉजिस्टिक जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष बल देकर सतत विकास लक्ष्यों को और अधिक गति प्रदान की जाएगी।

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य नीति आयोग द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट न केवल नीतियों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण है, बल्कि यह जिला स्तर पर हो रहे कार्यों की स्पष्ट तस्वीर भी प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट आगामी वर्षों में नीतिगत निर्णयों और योजनाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष एवं मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने कहा कि जिला स्तर पर एसडीजी प्रदर्शन का यह आकलन, नीति निर्माण और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है। आयोग का प्रयास है कि प्रत्येक जिले को उसकी ताकत और चुनौतियों के अनुरूप आवश्यक समर्थन और दिशा प्रदान की जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर अन्य राज्यों के बीच एक आदर्श रूप में स्थापित होगा। गौरतलब है कि रिपोर्ट के अनुसार 82 संकेतकों के आधार पर प्रत्येक जिले का स्कोर और रैंकिंग तय की गई है। जिलों को चार श्रेणियों—एस्पिरेटर, परफॉर्मर, फ्रंट रनर और अचीवर में वर्गीकृत किया गया है। वर्ष 2024 में राज्य के 28 जिले फ्रंट रनर श्रेणी में शामिल हुए, वहीं 5 जिले परफॉर्मर श्रेणी में आए। धमतरी जिले ने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी अचीवर श्रेणी में अपना स्थान बनाए रखा। 12 जिलों ने अपने स्कोर में वृद्धि दर्ज की, जबकि 10 जिलों ने अपना स्कोर बरकरार रखा। राज्य स्तर पर 16 सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत 275 संकेतकों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें से 40 संकेतकों ने वर्ष 2024 तक ही अपने निर्धारित 2030 लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि राज्य की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करने वाली है। अनुमान व्यक्त किया गया है कि आगामी दो से तीन वर्षों में 83 संकेतकों के लक्ष्य भी हासिल कर लिए जाएंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, मुकेश बंसल, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव आशीष भट्ट तथा सदस्य डॉ. के. सुब्रह्मण्यम उपस्थित थे।

आईईडी ब्लास्ट में शहीद एएसपी आकाश राव गिरेपूंजे की पत्नी को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति, बनेंगी डीएसपी

सीएम साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद ने सुकमा जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 09 जून 2025 को बम विस्फोट की घटना में शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरेपूंजे की शहादत और अदम्य वीरता को सम्मानित करते हुए उनकी पत्नी स्नेहा गिरेपूंजे को विशेष प्रकरण मानते हुए राज्य पुलिस सेवा में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

मंत्रिपरिषद की बैठक में पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत की निर्भरता को कम करने तथा गैर पारंपरिक स्त्रोत आधारित ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य की सौर ऊर्जा नीति में आवश्यक संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। नई व्यवस्था के अनुसार यह संशोधित नीति अब 2030 तक लागू रहेगी, या फिर जब तक राज्य सरकार नई सौर ऊर्जा नीति जारी नहीं करती। सौर ऊर्जा परियोजनाओं को अब राज्य की औद्योगिक नीति के तहत प्राथमिकता उद्योग का दर्जा मिलेगा।

इसके तहत निवेशकों को कई तरह की रियायतें और प्रोत्साहन मिलेंगे, जैसे ब्याज अनुदान, पूंजी लागत पर अनुदान (सूक्ष्म उद्योगों को), जीएसटी प्रतिपूर्ति (लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों को), बिजली शुल्क में छूट, स्टाम्प शुल्क में छूट, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने पर अनुदान, भूमि उपयोग बदलने की फीस में छूट, भूमि बैंक से जमीन लेने पर शुल्क में रियायत मिलेगी, अनुसूचित जाति/जनजाति, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और तृतीय लिंग समुदाय के उद्यमियों को जमीन के प्रीमियम में छूट, दिव्यांगों को रोजगार देने पर अनुदान, मेगा और अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्ट्स के लिए विशेष पैकेज का प्रावधान किया गया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए रीता शांडिल्य, जो वर्तमान में लोक सेवा आयोग की सदस्य एवं कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, को लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्त करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है।

मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ वरिष्ठ मीडिया कर्मी सम्मान निधि के तहत सेवानिवृत्त हो चुके मीडिया कर्मियों को दी जाने वाली सम्मान राशि 10 हजार रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 20 हजार रुपए प्रतिमाह करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसकी घोषणा वर्ष 2025-26 के बजट में की गई थी।

ई-रिक्शा चलाकर यात्रियों को मंजिल तक पहुंचा रही सरस्वती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरस्वती नेताम आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं। कुछ समय पहले तक उनका जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। सरस्वती मजदूरी और छोटे-मोटे काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। कोंडागांव जिले के नहरपारा की रहने वाली सरस्वती के परिवार में उनकी माँ और बड़ी बहन भी हैं, जिनकी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। आर्थिक तंगी के कारण जीवन यापन बेहद मुश्किल हो गया था। ऐसे में श्रम विभाग की दीदी ई रिक्शा योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी है।

सरस्वती बताती हैं कि एक दिन उन्हें स्थानीय विधायक सुश्री लता उसेंडी से दीदी ई-रिक्शा योजना के बारे में जानकारी मिली। यह योजना श्रम विभाग द्वारा संचालित की जा रही है और इस योजना का लाभ उठाने के लिए छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिसके बाद जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना के बारे में सुनकर सरस्वती ने हिम्मत जुटाई और आवेदन किया। उनकी पात्रता जांच के बाद उन्हें श्रम विभाग की ओर से 50 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ।

इस अनुदान की मदद से सरस्वती ने एक ई-रिक्शा खरीदी। शुरुआत में उन्हें वाहन चलाने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन धैर्य और लगन से उन्होंने धीरे-धीरे इसे सीख लिया। आज सरस्वती प्रतिदिन शहर में ई-रिक्शा चलाकर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाती हैं। उनका कहना है कि इससे उन्हें महीने में 15 से 20 हजार रुपये तक की आमदनी हो जाती है।

इस आमदनी से सरस्वती न केवल घर का खर्च उठा रही हैं बल्कि ई-रिक्शा की किस्त और अन्य आवश्यकताओं को भी पूरा कर पा रही हैं। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। पहले जहाँ उन्हें जीवकोपार्जन के लिए इधर-उधर काम तलाशना पड़ता था, अब उनके पास स्थायी आय का साधन है।

सरस्वती की यह कहानी उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है जो कठिनाइयों से जूझते हुए भी अपने पैरों पर खड़े होने का सपना देखती हैं। सरस्वती की मेहनत एवं आत्मविश्वास ने और शासन की जनकल्याणकारी योजना ने उनकी जिंदगी को नई दिशा दी है। सरस्वती ने बताया इस योजना ने मुझे नई राह दिखाई है। मैं आज आत्मनिर्भर हूँ और अपने परिवार का सहारा बन पाई हूँ। सरस्वती ने शासन से मिली सहायता पर खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

युक्तियुक्तकरण से योग्य शिक्षक सुदूर अंचलों में बच्चों का गढ़ रहे भविष्य

राजनीति विज्ञान नहीं रहा सिर्फ विषय, बना समाज की समझ का जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले के पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के घने वनांचल में बसा छोटा सा गांव मांचाडोली, जहां कभी शिक्षा के नाम पर सिर्फ बुनियादी ढांचा था, पर गुणवत्ता का गहरा अभाव था। यहां का हायर सेकंडरी स्कूल वर्षों तक विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी से जूझता रहा। लालपुर, पाथा, कछार, बुल्लर साइड जैसे आसपास के गांवों से बच्चे पढ़ाई के लिए इसी स्कूल में आते हैं। परंतु दसवीं के बाद जब संकाय चयन की बारी आती, तो अधिकांश विद्यार्थी सही मार्गदर्शन और विषय विशेषज्ञ न होने की वजह से अपनी रुचि के विपरीत विषय चुनने को मजबूर होते। कला संकाय में शिक्षक के अभाव में कई बच्चों को मनचाहा विषय त्याग कर अन्य संकाय चुनना पड़ता था जिससे छात्रों के लिए पढ़ाई बोझ बन जाती थी, और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता था।

युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से आया बदलाव का दौर

राज्य सरकार की शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत मांचाडोली के हायर सेकेंडरी स्कूल में कला, गणित, विज्ञान व अन्य विषयों के योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की पदस्थापना हुई। युक्तियुक्तकरण के तहत मांचाडोली में राजनीति विज्ञान विषय के लिए श्री आर.के. चन्द्रा जैसे विशेषज्ञ शिक्षक की नियुक्ति ने विद्यालय के शैक्षिक परिवेश को नई दिशा दी है। शिक्षक श्री चन्द्रा ने विषय को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा, बल्कि जीवन और समाज से जोड़ते हुए पढ़ाना शुरू किया। पूर्व में विद्यालय में राजनीति विज्ञान जैसे जटिल विषय में बच्चों की समझ कमजोर थी, रुचि कम होने से छात्र विषय को समझने के बजाय रट्टा मारकर याद करने की कोशिश करते थे जिससे परिणाम भी औसत ही आता था।

शिक्षक चन्द्रा ने आते ही कक्षा में पढ़ाई के तरीके को बदला। किताबों से आगे बढ़कर उन्होंने राजनीति विज्ञान को जीवन से जोड़ दिया। विषय के उनके गहरे ज्ञान और व्यावहारिक शिक्षण शैली ने छात्रों को राजनीति विज्ञान की जटिलताओं से उबारकर एक नई सोच और समझ की ओर अग्रसर किया है। अब छात्र राजनीति विज्ञान को सिर्फ एक पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि समाज, शासन और नागरिक जिम्मेदारी के रूप में देखने लगे हैं। कक्षा 12वीं कला संकाय की संजना यादव, साक्षी चौहान, युवराज यादव, आयुष जगत, लक्ष्मी नारायण केवर्त सहित अन्य छात्रों में अब विषय को लेकर रुचि और आत्मविश्वास बढ़ा है। बच्चों में विषय के प्रति जो रुचि, उत्साह और प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति देखने को मिली है, वह पहले नहीं थी। अब छात्र-छात्राएं राजनीति विज्ञान विषय में न केवल आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ ही अपने विचारों को स्पष्टता से रख पा रहे हैं। अब वे सिर्फ परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि समाज को समझने और बेहतर नागरिक बनने के लिए पढ़ रहे हैं। राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण नीति से योग्य शिक्षक सुदूर अंचलों तक पहुंच रहे है और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का पथ प्रदर्शित कर रहे है। मांचाडोली विद्यालय में अब कला, विज्ञान, गणित जैसे संकायों की पढ़ाई सुचारू रूप से हो रही है। बच्चों को अब भविष्य निर्माण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी मिल रहा है। विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और छात्रों ने युक्तियुक्तकरण की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम माना है। अब स्कूल का शैक्षणिक माहौल अधिक सक्रिय और गुणवत्तायुक्त हो गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950